ज्ञान विचार

रात जितनी अंधेरी होती है सितारे उतने ज्यादा चमकते हैं।

PKL NO.KKR/184/2024-26

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

गजब हरियाणा

सम्पादक : जरनैल सिंह
सह संपादिका : सृष्टि देवी
छायाकार : राजरानी

Contact : 91382-03233

HAR/HIN /2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 अगस्त 2025 वर्ष : 8, अंक : 09 पृष्ट : 8 मूल्यः 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

भारत का नया इतिहास लिखने और विकसित राष्ट्र का निर्माण करने के लिए युवाओं को संभालनी होगी बागडोर: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम 2025 के समापन समारोह में 23 राज्यों के युवाओं से किया सीधा संवाद

गजब हरियाणा न्यूज
डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत का नया इतिहास लिखने और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र का निर्माण करने के लिए युवा शक्ति को अपने हाथों में देश की बागडोर संभालनी होगी। इसके लिए युवाओं को देश के मूल्यों, संस्कृति और विरासत के साथ जुड़ना होगा। इस युवा शक्ति को देश की संस्कृति, संस्कारों के साथ जोड़ने के लिए ही सरकार की तरफ से इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज जैसे कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इस प्रकार के कार्यक्रमों में एक भारत श्रेष्ठ भारत के भी दर्शन सहजता से हो जाते है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को देर सायं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग हरियाणा व हरियाणा कौशल एवं औद्योगिकी प्रशिक्षण विभाग के तत्वावधान में आयोजित इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम 2025 के समापन समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम,प्रधान सचिव राजीव रंजन, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी, भाजपा नेता सुभाष कलसाना ने विभिन्न विभागों की तरफ से कला और संस्कृति को लेकर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और युवा पंचायत के मंच पर पगडी पहनी। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधिवत रूप से इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम 2025 के समापन समारोह के कार्यक्रमों का आगाज किया। इस मंच पर गुजरात प्रदेश के कलाकारों ने मनियारी रास और हरियाणा सीडीएलयू सिरसा के कलाकारों ने हरियाणवी लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से आए युवाओं की संस्कृति और भाषा एक दूसरे प्रदेश के युवाओं को भा गई। इस संस्कृति के महाकुंभ में विभिन्न प्रदेशों की भाषा और वेशभूषा से भारत की आत्मा की झलक देखने को मिली। इस कार्यक्रम का थीम एक भारत श्रेष्ठ भारत देश की आत्मा और भविष्य का मार्ग प्रस्तत करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती पर एक भारत श्रेष्ठ भारत थीम को शुरू किया था। इसका उद्देश्य भारत की बहुरंगी संस्कृति को उत्सव की तरह मनाते हुए राज्यों के बीच मेलजोल द्वारा राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं को एक-दूसरे को जानने, एक-दूसरे की संस्कृति को समझने और एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का अवसर मिलता है। इससे युवाओं में आत्मविश्वास पैदा होता है और अनेकता में एकता के दर्शन होते है। जब देश का युवा एक सूत्र में बंधा नजर आएगा तब भारत विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के द्वारा युवाओं को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं ताकि युवाओं को काम की तलाश में दूसरे देशों में पलायन न करना पड़े और साथ ही वे नौकरी ढूंढने की बजाय अन्य युवाओं के लिए नौकरियों का सृजन कर सके। इस सरकार ने 10 पिछले साढ़े 10 वर्षों में 1 लाख 80 हजार युवाओं को योग्यता के आधार पर पारदर्शी ढंग से सरकारी नौकरियां दी हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने 2 हजार से अधिक रोजगार मेलों का आयोजन कर 1 लाख 6 हजार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार दिलवाया है। कौशल प्राप्त युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए राज्य में अलग से एमएसएमई विभाग का गठन किया है। विदेशों में युवाओं को शिक्षा व रोजगार दिलाने एवं निवेश आकर्षित करने के लिए विदेश सहयोग विभाग बनाया है। युवाओं को परम्परागत व्यवसायों के साथ-साथ आधुनिक व्यवसायों में प्रशिक्षण देने के लिए हरियाणा कौशल विकास मिशन बनाया है। इसके तहत 1 लाख 14 हजार 254 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रधानमंत्री की सोच से प्रेरणा लेते हुए हरियाणा सरकार ने भी युवाओं को सक्षम बनाने तथा उनके सर्वांगीण विकास हेतु कई योजनाएं प्रारंभ की हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिए गए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की बात करते हैं, तो उस संकल्प को सिद्ध करने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी आप सभी युवाओं पर है। यह एक बहुत बड़ा लक्ष्य है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि आप युवा शक्ति के दम पर हम इसे प्राप्त कर लेंगे। सभी युवा, भारत के इसी विश्व बंधुत्व के संदेश को आगे ले जाने वाले दूत हैं। जब आप अपनी पढ़ाई या अपने काम के लिए विदेश जाएंगे, तब आप केवल एक व्यक्ति नहीं होंगे, आप भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, हमारी संस्कृति के ब्रांड एंबेसडर बनेंगे। आपका व्यवहार, आपके मूल्य, आपकी कार्यशैली, ये सब भारत की पहचान बनेंगे। इसलिए हमेशा अपने देश के मूल्यों, अपनी संस्कृति और अपनी विरासत पर गर्व करें। अपनी जड़ों से जुड़े रहें और साथ ही खुले विचारों के साथ दुनिया को देखें।

उन्होंने कहा कि युवा महाकुम्भ से आप सभी एक विचार और जुनून लेकर लौटेंगे और देश व समाज के उत्थान में अपनी भूमिका सुनिश्चित करोगे, ऐसा मेरा विश्वास है। हर युवा को अपनी शक्ति को पहचानना चाहिए और उसे समाज व राष्ट्र के कल्याण में लगाना चाहिए। जब युवा अपने-अपने राज्यों में वापस जाएं, तो इस अनुभव को अपने दोस्तों, अपने परिवार और अपने समुदाय के साथ साझा करें। उन्हें एक भारत-श्रेष्ठ भारत और युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति के महत्व के बारे में बताएं।

हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में 23 राज्यों से आए युवाओं ने अपनी संस्कृति व अनुभवों का आदान प्रदान किया है और कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर एक भारत श्रेष्ठ भारत के दर्शन हुए है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं को संस्कृति विचारों और एक दूसरे के विजिन को जानने का अनोखा अवसर मिला है। इस कार्यक्रम ने युवाओं के जहन में राष्ट्रीय एकता का बीज बोने का काम किया है। इस गीता स्थली कुरुक्षेत्र से ज्ञान का अमृत पान भी मिला है। प्रधान सचिव राजीव रंजन ने मेहमानों का आभार व्यक्त किया और 23 जुलाई से 25 जुलाई तक के कार्यक्रम पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस मौके पर विभाग के निदेशक कैप्टन मनोज, सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल जेएस नैन, भाजपा के जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, मुख्यमंत्री के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, भाजपा के संगठन सचिव राहुल राणा, उपायुक्त नेहा सिंह, कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच, भाजपा नेता रविन्द्र सांगवान, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, जितेन्द्र खैरा सहित अन्य अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद थे।

संपादकीय.....

धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन: एक गंभीर चुनौती और समाधान की आवश्यकता

हाल ही में हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ जैसी घटनाएँ धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर चुनौती को उजागर करती हैं। ये पहली बार नहीं है, बल्कि पिछली गलतियों से सबक न लेने का दुखद परिणाम है। पिछले साल हाथरस में 121 लोगों की मौत और इस साल तिरुपति मंदिर व महाकुंभ में हुए हादसे इस बात का प्रमाण हैं।

ऐसी दुर्घटनाओं के मुख्य कारण अफवाहें, अनियंत्रित भीड़ और निकलने की जगह का अभाव होते हैं। किसी भी बड़े आयोजन में क्राउड मैनेजमेंट सबसे अहम होता है, जिसमें रियल टाइम मॉनिटरिंग बेहद ज़रूरी है ताकि स्थिति के अनुसार तुरंत निर्णय लिए जा सकें।

बचाव योजनाएँ अक्सर नाकाफी साबित होती हैं और धार्मिक स्थलों पर अव्यवस्था—जैसे फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगहें और एक ही मार्ग—समस्या को और बढ़ा देती हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए कानूनी ढाँचा (जैसा कि कर्नाटक सरकार का क्राउड कंट्रोल बिल), आयोजकों, पुलिस-प्रशासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय, और बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता की आवश्यकता है। लोगों को भीड़ में सही व्यवहार करने के तरीके सिखाना भी महत्वपूर्ण है। जब तक इन पहलुओं पर गंभीरता से काम नहीं होगा, तब तक ऐसी दुखद घटनाएँ होती रहेंगी।

सुरक्षा की दृष्टि से मानव रहित हवाई वाहन (ड्रोन) उड़ाने पर पूर्णतया प्रतिबंध: जिलाधीश

गजब हरियाणा न्यूज

यमुनानगर, जिलाधीश पार्थ गुप्ता ने बताया कि 28 जुलाई 2025 को यमुनानगर में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टि से कार्यक्रम स्थल व उनके आवागमन के रास्तों के आस-पास ड्रोन आदि चलाने पर प्रतिबंध लगाया है। इसके लिए उन्होंने बीएनएसएस, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं।

जिलाधीश ने आदेश में कहा है कि 28 जुलाई 2025 को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का यमुनानगर में आना प्रस्तावित है। आदेश में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए बीएनएसएस, 2023 की धारा 163 के आदेश जारी करना अति आवश्यक है।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर जिलाधीश ने बीएनएसएस, 2023 की धारा 163 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए किसान संगठनों, सामाजिक संगठनों, कर्मचारी संगठनों और शरारती तत्वों के आंदोलन पर रोक लगाने एक साथ ही ड्रोन नियम 2021 के नियम 24 के तहत आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत जिला यमुनानगर का पूरा क्षेत्र ड्रोन और मानव रहित हवाई वाहनों (ड्रोन) आदि की उड़ान के उद्देश्य से नो फ्लाइंग जोन होगा और साथ ही ड्रोन नियम 2021 के तहत 28 जुलाई 2025 को रेड जोन घोषित किया गया है। उपरोक्त प्रतिबंध मुख्यमंत्री के आगमन से 4 घंटे पहले और उनके प्रस्थान के 1 घंटे बाद तक प्रभावी रहेगा।

छात्रों को नशे के खिलाफ जानकारी देकर जागरूक किया

गजब हरियाणा न्यूज

पानीपत, जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई गई मुहिम के तहत पुलिस टीम ने सोमवार को पावटी गांव में स्थित पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छात्रों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक किया। अभियान के जिला नोडल अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक श्री नरेंद्र सिंह ने कहा कि नशे से शरीर का नुकशान होने के अतिरिक्त पैसों की भी बर्बादी होती है। नशा करने वाले व्यक्ति का ध्यान अपराध की तरफ बढ़ता है। युवाओं को नशे की गर्त से बचाने के लिए हरियाण पुलिस लगातार प्रयासरत है। पुलिस स्कूल, कॉलेज, फैक्टरी, गांव व कॉलोनियों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन व विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ जागरूक कर रही है।

इस दौरान पुलिस टीम ने छात्रों को नशे के सेवन से होने वाले मानसिक, शारीरिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया कि किस प्रकार नशा करने से व्यक्ति का स्वास्थ्य तो बिगड़ता ही है, साथ ही उसका सामाजिक जीवन, शिक्षा और भविष्य भी प्रभावित होता है। युवाओं को नशे की ओर आकर्षित करने वाले कई कारक होते हैं, जैसे दबाव, गलत संगत या जिज्ञासा। जागरूकता और आत्म-नियंत्रण ही इससे बचने का सबसे कारगर तरीका है। इस दौरान छात्रों को शपथ दिलाई गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करेंगे।

केयू आईआईएचएस के डॉ. प्रदीप कुमार बने एकेडमिक काउंसिल के सदस्य

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार आईआईएचएस के कम्प्यूटर साइंस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार को एकेडमिक काउंसिल का सदस्य नामित किया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

परमात्मा का ज्ञान एवं ध्यान भक्ति और मुक्ति मार्ग में सफलता की सीढ़ी: महामंडलेश्वर

कहा : ज्ञानवान महापुरुष इस सीढ़ी पर दौड़ कर चढ़ जाते हैं और मनमुख डरपोक लोग दूर भाग जाते हैं।

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । बलदेवनगर से नारायणगढ रोड गांव खतौली मोड पर नजदीक गौशाला स्थित निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन चेयरमैन और संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, चेयरमैन, संत संवारनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट बाहरी कुरुक्षेत्र और गजब हरियाणा समाचार पत्र के मार्गदर्शक, संत शिरोमणी, दिव्य ज्ञान रत्न,श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने सप्ताहिक रूहानी सत्संग प्रवचनों के दौरान कहा कि परमात्मा का ज्ञान एवं ध्यान भक्ति और मुक्ति मार्ग में सफलता की सीढ़ी है, सुख शांति का मूल आधार है और सारे अध्यात्म का सार है। ज्ञानवान महापुरुष इस सीढ़ी पर दौड़ कर चढ़ जाते हैं और मनमुख डरपोक लोग दूर भाग जाते हैं और जल्दी ही किनारा कर जाते हैं। महामंडलेश्वर स्वामी जी ने कहा कि कहा परमात्मा की कोई विशेष भाषा और परिभाषा नही, जो कुछ नही यही सबकुछ है, इसी से अखिल ब्रह्मांड का सारा प्रपंच पैदा होता है, इसी मे स्थित रहता है और अंततः इसी मे समा जाता है। ज्ञान और विज्ञान एक सिक्के के दो पहलु है। इसलिए ज्ञान और विज्ञान दोनो को समझना होगा और जो बात ज्ञान और विज्ञान की कसौटी पर पूरी उतरती है उसी को स्वीकार करना चाहिए। दृष्टिमान जगता सच लगता है लेकिन वास्तव मे सच नही है। अगर ज्ञान और विवेक की दृष्टि से देखा और विचार किया जाए तो संसार की चीजें और संबध जैसे लगते है वैसे नही है बल्कि विपरीत हैं। संत शिरोमणी, दिव्य ज्ञान रत्न महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ ने कहा कि परमात्मा निर्जीव नहीं बल्कि एक जीवित और चेतन हस्ती है। परमात्मा कोई प्राणी नही बल्कि सभी जीवों को प्राण देने और प्राण लेने वाला प्राणनाथ है, सीमित नही असीमित है, कोई कोरी कपोल कल्पना और कोई मूढ मान्यता नही, मनुष्य द्वारा बनाई गई कोई आकृति नही बल्कि प्रत्यक्ष है और अखिल ब्रह्मांड के कण-कण मे विद्यमान है। इंसान भगवान को नही बना सकता बल्कि भगवान इंसान को बनाता है। परमात्मा कोई प्राप्त करने वाली जड़ वस्तु नही बल्कि हम सबके पहले ही प्राप्त है, कहीं से आता और कहीं जाता नही बल्कि सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान और सबकुछ करने मे समरथ है, जन्म-मरण से रहित अजर-अमर और अविनाशी है, सभी कारणो का महाकारण है, संसार की किसी भी वस्तु से तुलना नही की जा सकती, मानने का नही जानने का विषय है। चेतना का भंडार है और यह चेतना ही सभी जीवो को जीवन प्रदान करती है। इसलिए जड़ और नाशवान वस्तुओं को छोड़कर चेतन की ओर अपना रुख करो। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ ने कहा कि परमात्मा कोई हाड मांस का बना हुआ पुतला नही, सबका द्रष्टा-स्रष्टा और सभी कृत्यों का

साक्षी है। इसका कोई आदि, मध्य और अंत नहीं है। पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण, पताल से आकाश, दाएं बाएं, आगे पीछे और ऊपर नीचे सर्वव्यापक है, बहुत ही नजदीक है दूर नहीं है, सब कुछ जानने वाला है और सब कुछ करने में समरथ है, कभी बदलता नहीं है बल्कि हर हाल में और हर काल में हमेशा ज्यों का त्यों रहता है, कृपालु और दयालु है हमेशा जीव का कल्याण, उद्धार और सुधार करता है। वस्तुतः चेतन जीव, आत्मा और परमात्मा एक हैं और हमेशा एक रहेंगे।

हरियाणा सरकार ने विवादों में घिरे विकास बराला की एएजी पद पर नियुक्ति रद्द की

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार ने जन आक्रोश और बढ़ते विवाद के बाद राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के बेटे विकास बराला को सहायक महाधिवक्ता (एएजी) पद पर नियुक्त करने का अपना ही फैसला पलट दिया है। विकास बराला अब इस पद पर कार्यभार ग्रहण नहीं कर सकेंगे।

यह नियुक्ति बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में थी, क्योंकि विकास बराला पर साल 2017 में एक पूर्व आईएएस अधिकारी की बेटी का पीछा करने, उनकी कार में जबरन घुसकर छेड़खानी करने और अपहरण की कोशिश करने जैसे गंभीर आरोप हैं। इस मामले में उन पर चंडीगढ़ की अदालत में मुकदमा चल रहा है और वे फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

सरकार के इस फैसले पर पीड़िता ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी गहरी नाराजगी जताई थी। इसके अलावा, 45 आईएएस अधिकारियों ने भी मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखकर इस नियुक्ति को रद्द करने की मांग की थी। विपक्षी दल कांग्रेस ने भी विकास बराला की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा था। बढ़ते विवाद और जन दबाव के चलते अंततः सरकार ने विकास

बराला का नाम एएजी की सूची से हटाने का निर्णय लिया।

फूलन देवी: दस्यु से संसद तक का असाधारण सफ़र(10 अगस्त जन्मदिन विशेष)

भारत के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो अपनी जटिलता और विरोधाभासों के कारण हमेशा चर्चा का विषय बने रहते हैं। फूलन देवी (10 अगस्त 1963 – 25 जुलाई 2001) उन्हीं में से एक थीं। उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गाँव गोरहा का पूर्वा में जन्मी फूलन का जीवन अन्याय, सामाजिक भेदभाव, हिंसा और अंततः राजनीति में प्रवेश की एक अविश्वसनीय गाथा है। उन्हें अक्सर 'बैंडिट क्वीन' या 'दस्यु सुंदरी' के नाम से जाना जाता है, लेकिन उनका जीवन केवल अपराध की कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसे समाज की कड़वी सच्चाई को भी दर्शाता है जहाँ जाति और लिंग आधारित उत्पीड़न आज भी गहराई तक पैठे हुए हैं।

फूलन देवी का जन्म एक निम्न-वर्गीय मल्लाह परिवार में हुआ था। उनके बचपन के दिन गरीबी और सामाजिक बहिष्कार से घिरे थे। भारत के ग्रामीण इलाकों में जातिगत भेदभाव की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाज़ा फूलन के शुरुआती जीवन से ही लगाया जा सकता है. उन्हें लगातार उच्च जातियों के उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। लेकिन उनके जीवन का सबसे दर्दनाक मोड़ तब आया जब मात्र 11 साल की उम्र में उनकी शादी उनसे 20 साल बड़े एक व्यक्ति से कर दी गई। यह बाल विवाह उनके लिए शारीरिक और मानसिक यातनाओं का एक भयावह चक्र साबित हुआ। असहनीय शोषण के चलते, वह अपने वैवाहिक घर से भाग निकलीं, लेकिन यह सिर्फ उनके संघर्ष की शुरुआत थी।

दस्यु जीवन का उदय: बदला और 'बैंडिट क्वीन' की छवि

घर से भागने के बाद, फूलन देवी ने अपना गुजारा करने के लिए कई मुश्किलें झेलीं। इसी दौरान, उनका संपर्क दस्युओं के एक गिरोह से हुआ, जिसमें वह अंततः शामिल हो गईं। दस्युओं के इस जीवन में भी उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें गिरोह के भीतर की राजनीति और हिंसा शामिल थी।

उनके जीवन की सबसे कुख्यात घटना 1981 का बेहमई नरसंहार था। इस घटना में, फूलन देवी के गिरोह ने 22 ठाकुर पुरुषों की हत्या कर दी थी। यह नरसंहार उनके साथ हुए पूर्व के यौन उत्पीड़न और अत्याचारों का बदला माना गया। इस घटना ने उन्हें पूरे देश में एक ऐसी शख्सियत बना दिया जो कमजोरों के लिए प्रतिशोध का प्रतीक बन गई, जबकि उच्च जातियों के लिए वह एक क्रूर अपराधी थीं। मीडिया ने उन्हें 'बैंडिट क्वीन' का खिताब दिया, जिसने उनकी छवि को और भी बढ़ा दिया। उनके इस रूप में, वह सिर्फ एक डाकू नहीं थीं, बल्कि एक विद्रोही प्रतीक बन गई थीं जो समाज के स्थापित मानदंडों को चुनौती दे रही थीं।

आत्मसमर्पण और राजनीतिक क्षितिज पर उदय

लगभग एक दशक तक बीहड़ों में राज करने के बाद, फूलन देवी ने 1983 में मध्य प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह आत्मसमर्पण एक समझौते के तहत हुआ था, जिसमें उन्हें अपने जीवन और अपने परिवार की सुरक्षा का आश्वासन दिया गया था। उन्होंने 11 साल जेल में बिताए, और इस दौरान उनकी रिहाई के लिए देश और विदेश में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों द्वारा व्यापक अभियान चलाए गए।

1994 में, तत्कालीन उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी सरकार ने उनके खिलाफ सभी आरोपों को वापस ले लिया और उन्हें रिहा कर दिया गया। जेल से बाहर आने के बाद, फूलन देवी का जीवन एक अप्रत्याशित मोड़ पर आ गया। उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया, और यह उनके लिए एक नया अध्याय था। 1996 में, समाजवादी पार्टी के टिकट पर उन्होंने मिर्जापुर से लोकसभा सांसद का चुनाव जीता। एक ऐसी महिला जिसने कभी कानून को अपने हाथ में लिया था, वह अब देश की संसद में बैठकर कानून बनाने लगी थी। यह भारतीय लोकतंत्र की अजब-गजब तस्वीर थी, जहाँ हाशिए पर पड़ा एक व्यक्ति भी सत्ता के गलियारों तक पहुँच सकता है।

एक दुखद अंत और विरासत का सवाल

25 जुलाई 2001 को, फूलन देवी की दिल्ली में उनके आधिकारिक आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्या के पीछे उनके गिरोह द्वारा बेहमई में मारे गए ठाकुरों के रिश्तेदारों का हाथ बताया गया। उनकी हत्या ने एक बार फिर उनके विवादास्पद जीवन को सुर्खियों में ला दिया।

फूलन देवी का जीवन आज भी विवाद और विश्लेषण का विषय बना हुआ है। कुछ लोग उन्हें सामाजिक न्याय के लिए लड़ने वाली एक योद्धा मानते हैं, जिन्होंने दलितों और शोषितों के प्रति हुए अत्याचारों का बदला लिया। वे उन्हें एक ऐसी महिला के रूप में देखते हैं जिसने पुरुष-प्रधान समाज और जातिगत उत्पीड़न के खिलाफ आवाज़ उठाई। वहीं, दूसरी ओर, कुछ लोग उन्हें केवल एक अपराधी और हत्यारी मानते हैं, जिसने कानून को तोड़ा।

उनकी कहानी पर आधारित शेखर कपूर की 1994 में आई फिल्म 'बैंडिट क्वीन' ने उनके जीवन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई, लेकिन यह फिल्म भी विवादों से घिरी रही। फूलन देवी की कहानी हमें जातिगत असमानता, लैंगिक हिंसा, और कानून बनाम न्याय जैसे गंभीर मुद्दों पर सोचने पर मजबूर करती है। उनका जीवन एक जटिल दर्पण की तरह है, जो भारतीय समाज की गहरी परतों और उसके विरोधाभासों को दर्शाता है।

फूलन देवी भले ही अब हमारे बीच न हों, लेकिन उनकी कहानी अन्याय के खिलाफ विद्रोह और सत्ता के गलियारों तक पहुँचने की असंभव यात्रा का एक सशक्त प्रतीक बनी रहेगी। क्या आप मानते हैं कि फूलन देवी जैसी शख्सियतों का उदय समाज में व्याप्त गहरी समस्याओं का ही परिणाम है?

डॉ. अंबेडकर का पटियाला (पंजाब) में दिया गया चुनावी भाषण

पंजाब के पटियाला में बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा दिया गया चुनावी भाषण पढ़ें जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर हमला किया और महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए

दिनांक 29 अक्टूबर 1951

प्रिय भाइयो, जैसा कि मेरे मित्र श्री राजभोज ने आपको बताया, आज मेरी तबियत ठीक नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे सड़क मार्ग से एक लंबी यात्रा करनी पड़ी। इसलिए मैं ज़्यादा देर तक नहीं बोल पाऊँगा, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर ज़रूर बोलूँगा।

भारत में हर कोई चुनावों में व्यस्त है। कई राजनेता और पार्टियाँ हैं जिनके पास चुनावों के अलावा और कुछ नहीं है। मैं आगामी चुनावों को लेकर लोगों की चिंता को समझता हूँ और इस बात से सहमत हूँ कि हमें किसी भी पार्टी या व्यक्ति को वोट देने से पहले कई बार सोचना चाहिए। अभी चुने गए लोग पाँच साल तक पद पर बने रहेंगे। इसलिए हमें इस बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए। यह राजनीतिक दलों और व्यक्तियों, दोनों के लिए जीवन-मरण का समय है। प्रत्येक नागरिक और राष्ट्र को चुनावों में उचित रूप से भाग लेना होगा और ऐसा न करने पर उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा।

आप जानते हैं कि आज भारत में कांग्रेस सत्ता में है। यह चालीस साल पुरानी है और इसके पास प्रचुर धन है। पिछले चार-पाँच सालों से, कांग्रेस पार्टी भारत पर शासन कर रही है। कांग्रेसी अब लोगों से कांग्रेस के लिए वोट माँग रहे हैं। उनका तर्क है कि कोई भी अन्य पार्टी सरकार चलाने के लिए इतनी शक्तिशाली नहीं है और वह वह सब हासिल नहीं कर सकती जो कांग्रेस ने अतीत में किया है और भविष्य में भी कर पाएगी। उनका कहना है कि केवल कांग्रेस के शासन में ही भारत समृद्ध हो सकता है और इसलिए सभी लोगों को, चाहे उनका धर्म, जाति, पंथ कुछ भी हो, कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देना चाहिए और आगामी चुनाव में उन्हें सफल बनाना चाहिए। कांग्रेसी यही प्रचार कर रहे हैं।

यह सही है कि कांग्रेस के पास प्रचार के इतने साधन हैं कि कांग्रेस के टिकट पर खड़े हर उम्मीदवार के पास प्रचार के लिए 100 से ज़्यादा एजेंट होंगे। कांग्रेस का अपना मुख्यालय है जहाँ बहुत से लोग सरकारी कर्मचारियों की तरह काम कर रहे हैं। उनके पास हर शाखा के पदाधिकारी हैं। यह सब पैसे की बदौलत है। कांग्रेस भारत की सबसे अमीर पार्टी है। पैसे के दम पर वह जो चाहे कर सकती है। बिना पैसे के कोई भी पार्टी प्रचार नहीं कर सकती और बिना सही प्रचार के कोई भी पार्टी फल-फूल नहीं सकती। कांग्रेस ने प्रचार के ज़रिए जनमत को अपने पक्ष में इस कदर ढाल लिया है कि अब वह उसकी आड़ में तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है।

कांग्रेस चार साल से सत्ता में है और आप अच्छी तरह समझ सकते हैं कि उसने लोगों के लिए क्या किया है। न रोटी है, न कपड़ा और न ही मकान। इन चार सालों में कांग्रेस कोई भी काम करने में नाकाम रही है और अगर वह दोबारा सत्ता में आती है तो कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वह लोगों की मदद करेगी? भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और कालाबाज़ारी ही ऐसे उद्योग हैं जो कांग्रेस के राज में फले-फूले हैं। भ्रष्टाचार और अन्य बुराइयाँ आज भारत पर ब्रिटिश राज से भी ज़्यादा बढ़ गई हैं। हम भूख से मर रहे हैं और अमीर-गरीब के बीच बहुत बड़ी असमानता है। अगर कांग्रेस पाँच सालों में इस असमानता को दूर नहीं कर पाई, तो भविष्य में कैसे कर पाएगी? अमीर लोग और अमीर होते जा रहे हैं और गरीब और गरीब। कांग्रेस ने इस दिशा में क्या किया है?

कांग्रेस सरकार भ्रष्ट सरकार है। कांग्रेस के मंत्री रिश्वत लेते हैं। वे कालाबाज़ारी से पैसा कमाते हैं। वे भ्रष्ट हैं। अगर हमारे मंत्री इतने बुरे चरित्र के हैं, तो आप अच्छी तरह समझ सकते हैं कि उनके अधीनस्थ कैसे व्यवहार करते होंगे और

पूँजीपतियों के अधीन मज़दूरों की क्या स्थिति होगी। मुझे उम्मीद थी कि हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री इस संबंध में कुछ करेंगे और रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और कालाबाज़ारी हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। लेकिन मुझे यह जानकर दु:ख हुआ कि नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस अधिवेशन में अपने अध्यक्षीय भाषण में पंडित नेहरू ने कहा था कि भ्रष्टाचार अन्य देशों में भी व्याप्त है; इसलिए, अगर यह भारत में भी व्याप्त है, तो हमें ज़्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अन्य देशों की तुलना में भारत में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी बहुत कम स्तर पर है। मुझे नहीं पता कि प्रधानमंत्री इस बुराई को कैसे दूर करेंगे, जब वे खुलेआम यह कहकर इसे बढ़ावा दे रहे हैं कि यहाँ भ्रष्टाचार बहुत कम स्तर पर है। अगर यह कम स्तर पर भी है, तो इसे दूर किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस दिशा में क्या किया है? क्या अगर सरकार के मंत्री और अन्य उच्च अधिकारी भ्रष्ट हैं, तो उन्हें चुप रहना चाहिए?

मैंने जो कुछ भी कहा है, वह मेरी आलोचना नहीं है, बल्कि कांग्रेसियों ने ही कांग्रेस के मंत्रियों की आलोचना की है, किसी और की नहीं। उदाहरण के लिए, मद्रास में, श्री टी. प्रकाशम कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री थे। जब उन्हें पद से हटा दिया गया और श्री राजू ने उनकी जगह ली, तो श्री प्रकाशम पर कुछ आरोप लगे और जब जाँच हुई तो पता चला कि उन्होंने रिश्वत आदि से बहुत बड़ी रकम अर्जित की थी। उन्होंने हज़ारों लाइसेंस और परमिट जारी किए थे। मध्य प्रदेश में भी यही हो रहा है। ऐसे कई मंत्री हैं जिन्होंने रिश्वत ली है, फिर भी वे एक योग्य सरकार के मंत्री हैं। कोई भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा है, बल्कि उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है। इन मंत्रियों पर आरोप लगाने वालों को जेल भेजा जा रहा है। पंजाब में क्या हो रहा है? श्री सच्चर और डॉ. भार्गव एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। दोनों पंजाब में प्रधानमंत्री थे। दोनों ने खुद को निर्दोष बताया है। दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ जाँच की माँग की है। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि दोनों ने पंजाब में अपने शासन के दौरान रिश्वत ली और कालाबाज़ारी को बढ़ावा दिया, और अब तक कोई जाँच नहीं हुई है। अब वे फिर से प्रधान मंत्री बनने की कोशिश कर रहे हैं। आने वाले चुनावों में, वे अपने खेमे के ज़्यादा से ज़्यादा उम्मीदवारों को कांग्रेस के टिकट पर खड़ा करना चाहते हैं, जो उन्हें प्रधान मंत्री बनने के लिए पर्याप्त हों। पंजाब में नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 5 नवंबर है, लेकिन आज तक यानी 29 अक्टूबर 1951 तक, उनके मतभेदों के कारण कोई सूची अंतिम रूप नहीं दी गई है और मुझे लगता है कि वे कभी किसी नतीजे पर नहीं पहुँचेंगे।

जब कोई व्यक्ति किसी मंत्री या किसी अन्य सरकारी अधिकारी पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाता है, तो सरकार का यह कर्तव्य है कि वह जाँच कराए और अपराधी को दंडित करे। कोई भी सरकार तब तक अस्तित्व में नहीं रह सकती जब तक वह अपने मंत्रियों और अन्य उच्च पदाधिकारियों को इस तरह रिश्वत लेने की अनुमति न दे। यदि प्रत्येक सरकारी मंत्री पैसा कमाएगा तो फिर सरकार कैसी होगी? इंग्लैंड में, हाउस ऑफ कॉमन्स में एक मंत्री पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाया गया था। इंग्लैंड के तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री एटली ने तुरंत जाँच का आदेश दिया, मामले की जाँच के लिए एक आयोग नियुक्त किया गया। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि संबंधित मंत्री ने अपने एक मित्र, जो संयोग से एक व्यापारी था, से कुछ कपड़ा लिया है और उसके इस कृत्य को रिश्वत नहीं माना जा सकता। लेकिन इस आधार पर भी कि उसने एक व्यापारी से, चाहे वह मित्र हो या शत्रु, बिना कोई पैसा दिए कपड़ा लिया था, श्री एटली ने उस मंत्री को पद से हटा दिया।

कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से हमारी हालत और भी बदतर हो गई है। हमारी शिकायतों को दूर करने के लिए कोई व्यावहारिक कदम नहीं उठाया गया है। सब कुछ कहा गया है, लेकिन हमारे लोगों की भलाई के लिए अभी तक कुछ भी नहीं किया गया है। हम यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि हम बहुत निराश हैं और अगर यह सिलसिला आगे भी जारी रहा, तो क्रांति अवश्यंभावी है। हमने सोचा था कि हमारे हिंदू भाई हमारे लोगों की भलाई के लिए कुछ करेंगे, लेकिन सारी उम्मीदें धरी की धरी रह गईं। विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों के लिए कुछ सीटें आरक्षित की गई हैं, लेकिन हमारे सच्चे प्रतिनिधियों को इन सीटों पर निर्वाचित होने की अनुमति नहीं है। यह आरक्षण केवल दस वर्षों के लिए है और उसके बाद क्या होगा, हम नहीं कह सकते। क्या आपको लगता है कि दस वर्षों के बाद हम समाज में ऊँची जातियों के लोगों से मुकाबला करने लायक स्थिति में होंगे? क्या हमारे लोग इतने अमीर होंगे कि हिंदुओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ सकें? मैं इन ऊँची जातियों के लोगों को चेतावनी देना चाहता हूँ कि अगर हमारी हालत आज जैसी ही रही, तो हमें कोई और रास्ता अपनाना होगा, या तो वे यहाँ रहेंगे या हम रहेंगे। हम इस तरह की जिंदगी से तंग आ चुके हैं और इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे।

ब्राह्मण और बनिया कभी भी आज़ादी के लिए नहीं मरे, हालाँकि वे ही एकमात्र भाग्यशाली हैं जो आज इसका लाभ उठा रहे हैं। मुझे बताइए कि पिछले युद्ध में उनमें से कितने शहीद हुए? उनमें से कितने सेना में हैं? अगर अनिवार्य सैन्य सेवा होगी, तो हमारे लोग सबसे पहले सेना में जाएँगे। वे अपना कर्तव्य वैसे ही निभाएँगे जैसे वे पहले करते आए हैं। गरीबों ने हमेशा अमीरों की रक्षा की है, हालाँकि अमीरों ने कभी उनके साथ कोई सहानुभूति नहीं दिखाई। इसलिए, मैं इन ऊँची जातियों के लोगों को चेतावनी देता हूँ कि जब तक पिछड़े वर्गों की भलाई के लिए कुछ नहीं किया जाता, क्रांति अवश्यंभावी है।

चुनाव लड़ने के लिए कहेगी? फिर कोई उन पर थूकेगा भी नहीं। अतीत में, इन ऊँची जातियों के लोगों ने हमारे साथ अपमानजनक व्यवहार किया है और आरक्षण खत्म होने के बाद भी वे ऐसा ही करेंगे। मैं आपको बताता हूँ कि अगर वे इस समय हमसे सहानुभूति रख रहे हैं, तो केवल इसलिए कि वे हमें मूर्ख बनाकर आरक्षित सीटों पर अपने हाँ में हाँ मिलाने वालों को बिठाना चाहते हैं। आरक्षण खत्म होने के बाद, वे हमें फिर से चमार, भंगी कहेंगे। इसलिए, मैं आपसे कहता हूँ कि आप अभी से बहुत सावधान हो जाइए और अनुसूचित जाति महासंघ के झंडे तले एकजुट हो जाइए। यह आपका कर्तव्य है कि आप महासंघ के उम्मीदवारों को अपना वोट दें जो आपके हित के लिए मर मिटने को तैयार हैं।

अब मैं आपको कुछ ज़रूरी बातें बताना चाहता हूँ। सबसे पहले, अनुसूचित जाति महासंघ का चुनाव चिन्ह हाथी है। मुझे पता चला है कि किसी और पार्टी ने भी यही चिन्ह चुना है, बस फर्क इतना है कि हमारा चिन्ह हाथी पर है, जबकि उनके यहाँ हाथी के ऊपर चरखा है। इसलिए सावधान रहें। गुमराह न हों। हमारी पार्टी का चिन्ह बिना किसी चरखे के सिर्फ़ हाथी है।

दूसरी बात, हमारी संख्या बहुत कम है। अगर हम अपने उम्मीदवार उतारेंगे, तो उन्हें दूसरी पार्टियाँ हरा देंगी क्योंकि उन्हें ज़्यादा वोट मिले हैं। गाँवों में हमारी संख्या सिर्फ़ 10 प्रतिशत है और आप भी मानेंगे कि इतने कम वोटों से हम आने वाले चुनावों में कामयाब नहीं हो सकते। इसलिए मैं आप सभी से अनुरोध करूँगा कि मतदान के दिन हर पुरुष और महिला, बाकी काम छोड़कर, अपना वोट ज़रूर डालें। नतीजा यह होगा कि कम से कम हमें अपने वोट तो मिलेंगे। अगर कुछ वोटरों ने भी वोट नहीं डाला, तो हमारे उम्मीदवारों का जीतना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

तीसरी बात, मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूँ कि अल्पसंख्यक होने के कारण हमें चुनावों में किसी न किसी दल से हाथ मिलाना ही पड़ेगा। इस बार वोटिंग की वितरण प्रणाली होगी और जहाँ हमारी सीटें आरक्षित हैं, वहाँ सभी लोगों के पास दो वोट होंगे। एक उस उम्मीदवार के लिए जो सामान्य सीट पर खड़ा है और दूसरा उस उम्मीदवार के लिए जो आरक्षित सीट पर खड़ा है। हम एक वोट अपने उस उम्मीदवार को देंगे जो आरक्षित सीट पर खड़ा है और दूसरा उस पार्टी के उम्मीदवार को, जो अपना दूसरा वोट हमारे उम्मीदवार को देगा। हमने अभी तक यह तय नहीं किया है कि हम किस दल से गठबंधन कर रहे हैं। बातचीत चल रही है और कुछ दिनों में यह तय हो जाएगा। लेकिन एक बात हमारे मन में स्पष्ट होनी चाहिए कि हम कांग्रेस या किसी भी जाति से हाथ नहीं मिला रहे हैं। आपको अब कांग्रेस से डरना नहीं चाहिए। यह कमज़ोर हो गई है और इसके सदस्य आपस में ही लड़ रहे हैं। कांग्रेस अपनी स्वाभाविक मृत्यु मरेगी।

अंत में, मैं एक बार फिर आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि आप अनुसूचित जाति महासंघ के टिकट पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार को वोट दें। महासंघ के उम्मीदवार आपके सच्चे प्रतिनिधि होंगे, जो हमारे समुदाय के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। वे स्वार्थी नहीं होंगे। वे अपने समुदाय की सेवा अंतिम समय तक करेंगे।

शहीद उधम सिंह का बलिदान स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमर: हरविन्द्र कल्याण

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

इंद्री/ करनाल । हरियाणा कांबोज सभा द्वारा शिरोमणि शहीद उधम सिंह के 85वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में इंद्री अनाज मंडी में सोमवार को राज्य स्तरीय शहीदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा और विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप राम कुमार कश्यप ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने शिरोमणि शहीद उधम सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा कंबोज सभा को सामाजिक एवं विकास कार्यों के लिये 11 लाख रुपये देने की घोषणा की तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा द्वारा संदेश के माध्यम से 5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने शहीद उधम सिंह कांबोज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका बलिदान स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमर है। देश को स्वतंत्र करवाने में अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना बलिदान दिया। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हम उन महान पुरुषों को याद करते है तथा इन आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने का कार्य कर रहे है।

उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों का भारत बनाने के लिए हमें विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में मिलकर आगे बढ़ना होगा। जिसके लिए सबकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में नई ऊर्जा भरते हैं और देश के प्रति कर्तव्य की भावना को जागृत करते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपने अधिकारों के साथ-साथ मतदान, सामाजिक सद्भाव जैसे कर्तव्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र और हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई अनेक नवाचारों और योजनाओं का सीधा लाभ गांवों, शहरों, महिलाओं, युवाओं और किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास के विजन से देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

उधम सिंह का बलिदान हमें देशभक्ति और साहस की भावना से करता है प्रेरित: डॉ. अरविंद शर्मा

हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि शिरोमणि शहीद उधम सिंह जी का जीवन वास्तव में प्रेरणा का स्रोत है, और देश के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान तथा उनकी बहादुरी अत्यंत प्रशंसनीय है। शहीद उधम सिंह एक सच्चे देशभक्त थे जिन्होंने अपने देश की आजादी के लिए अथक संघर्ष किया। आज के दिन, हम उनके बलिदान को स्मरण करते हैं और उनके सपनों के भारत को साकार करने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमें उधम सिंह के शहीदी दिवस पर उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास करना चाहिए। उधम सिंह का बलिदान हमें देशभक्ति और साहस की भावना से प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा कि आज केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और प्रदेश सरकार नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में निरंतर शहीदों को याद करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करती रहती है ताकि युवा पीढ़ी को उन संतों, महापुरुषों और शहीदों की जीवन से प्रेरणा मिल सके और युवा पीढ़ी उनके दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ सके।

जलियाँवाला बाग नरसंहार का बदला लेने के लिए 21 साल तक किया इंतजार-रामकुमार कश्यप

विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप राम कुमार कश्यप ने उधम सिंह जी के अतुलनीय साहस को याद करते हुए कहा कि उधम सिंह का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान के प्रतीक के रूप में अमर है। वे वही क्रांतिकारी थे जिन्होंने जलियाँवाला बाग नरसंहार का बदला लेने के लिए 21 साल तक इंतज़ार किया और ब्रिटिश अधिकारी डायर को लंदन जाकर मार गिराया। उन्होंने कहा कि आज जब हम आजाद भारत में साँस ले रहे हैं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह आजादी हमें उधम सिंह, शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, शहीद चंद्रशेखर आजाद जैसे अनेक क्रांतिकारियों के त्याग और बलिदान से मिली है। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिजनों के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है जिसके माध्यम से सरकार उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

बीमारियों का दुश्मन है आक का पौधा, बवासीर हो या डायबिटीज, कई बीमारियों के इलाज में है असरदार

मदार या आक एक औषधीय पौधा है, जो हमारे हेल्थ से जुड़ी कई समस्याओं को जड़ से खत्म करने की ताकत रखता है। इस पौधे की पत्तियों से लेकर फूल और इसमें से निकलने वाला दूध तक, सभी सेहत के लिए लाभकारी हैं। अस्थमा, बवासीर, जोड़ों के दर्द के साथ-साथ और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों के लिए भी आंक पत्ते प्रभावी होते हैं।

आजकल लोग अंग्रेजी और एलोपैथी दवाओं के साइड इफेक्ट्स के बारे में जानकर आयुर्वेद की ओर रूख कर रहे हैं। कई ऐसे पौधे हैं, जो औषधीय गुणों से भरे होते हैं, जिनमें से एक मदार या आक का पौधा भी है। इसे लोग आमतौर पर जहरीला पौधा मानते हैं। कहते हैं ये भगवान शिव को अति प्रिय है इसलिए इसके फूल और पत्तियों को भगवान शिव को अर्पित किया जाता है।

वहीं इस पौधे का इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज के लिए भी किया जाता है। इस जड़ी बूटी को आयुर्वेद में बेहद शक्तिशाली बताया गया है। यह पौधा गांव में आसानी से मिल जाता है। इस पौधे को विषैला भी माना जाता है। इसलिए डॉक्टर की सलाह के बिना इसका इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। क्योंकि इसके कुछ नुकसान भी होते हैं।

जीवा आयुर्वेद, निदेशक, डॉ. प्रताप चौहान के मुताबिक, त्वचा से जुड़ी समस्या, कान के दर्द और पेट से जुड़ी कई बीमारियों को ठीक करने में मदार के पत्तों का इस्तेमाल होता है। इस पौधे को गुणों का खजाना बताया गया है। यह पौधा बंजर भूमि पर बिना किसी खेती के खरपतवार की तरह उग जाता है। शरीर के कई प्रकार के दर्द में राहत पाने के लिए यह दवाई की तरह काम करता है।

अस्थमा या सांस लेने की तकलीफ होने पर मदार के फूलों का उपयोग सहायक माना जाता है। इन मरीजों के लिए आक के फूलों को तोड़कर उन्हें धूप में अच्छी तरह सुखाकर चूर्ण तैयार किया जाता है। इस पाउडर के सेवन से फेफड़ों की बीमारी, अस्थमा कमजोरी जैसी समस्याओं को दूर करने में सहायता मिलती है।

अगर दांत में तेज दर्द है तो इसके लिए मदार का दूध फायदेमंद हो सकता है। दांत के दर्द से परेशान है तो इसके लिए मदार के दूध में कॉटन बॉल को डुबोकर मसूड़े पर लगाने से आपको दर्द में रहता मिल सकती है। दांत के दर्द के साथ-साथ त्वचा पर होने वाले छालों को दूर करने के लिए भी यह कारगर उपाय है।

त्वचा संबंधी बीमारियों में कारगर

त्वचा में खुजली, एलर्जी, जलन लालिमा जैसी समस्या के लिए मदार की जड़ का उपयोगर मददगार माना जाता है। इन सभी त्वचा से जुड़ी परेशानियां से निजात पाने के लिए मदार की जड़ को जलाया जाता है और फिर इसकी बची राख को सरसों के तेल में अच्छी तरीके से मिक्स करके स्किन पर लगाते हैं।

पाइल्स का बेहतरीन इलाज

मदार के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण छिपे होते हैं, जो कई रोगों से छुटकारा दिला सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर इन पत्तों के इस्तेमाल से किसी भी तरह की चोट जल्दी भर जाती है और बवासीर में यह बहुत लाभकारी होता है। जिन लोगों इस समस्या में दवा से भी आराम नहीं मिलता है उनको आक के पत्तों के पेस्ट या दूध का उपयोग करने फायदा मिलता है। इसके दूध के इस्तेमाल से गुदा रोग से निपटने में राहत मिलती है।

आक के पौधे के साइड इफेक्ट्स

मदार के पौधे के कई फायदे होने के साथ-साथ कुछ नुकसान के बारे में भी बताया गया है। चक्कर आना, मतली, उल्टी, हाई ब्लड प्रेशर, सांस लेने में तकलीफ और सीने में जलन जैसी कुछ बीमारियां आपको परेशान कर सकती हैं। ऐसे में डॉक्टर से बिना सलाह लिए इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

जरूरी सूचना: यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना के 33 वें छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन

120 विद्यार्थियों को वितरित की गई छात्रवृत्तियां

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना के 33 वें छात्रवृत्ति वितरण समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को आर्थिक तौर पर प्रोत्साहित करने के लिए अग्रवाल धर्मशाला निकट रेलवे स्टेशन में आयोजित समारोह में 120 विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां वितरित की गई। इस समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान सत्य प्रकाश गुप्ता, समाजसेवी एडवोकेट विपिन जिंदल, कुरुक्षेत्र नर्सिंग होम के डा. सुभाष गर्ग पार्थ, अरविनकेयर के प्रबंध निदेशक डा. रामनिवास गर्ग, गोया एग्रो इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक रमेश गोयल व शिक्षाविद स्वाति गुप्ता सहित कई गणमान्य हस्तियां मौजूद थी। इस कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र के पुलिस अधीक्षक नितीश अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने थे लेकिन प्रशासनिक व्यस्तताओं के चलते शिरकत नहीं कर सके। उन्होंने अपने विशेष संदेश में विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए और सफल होने के लिए मेहनत से शिक्षित होना आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को सही मार्गदर्शन के साथ मेहनत से अपना लक्ष्य हासिल करना चाहिए। जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत के साथ लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। इस मौके पर महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना के विद्यार्थी गगन गर्ग को सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर जहां सम्मानित किया गया, वहीं मैसी से जुड़े 120 विद्यार्थियों को प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन के साथ छात्रवृत्तियां प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने भी इन विद्यार्थियों को अपनी तरफ से छ: हजार रुपए प्रति बच्चा प्रति वर्ष देने की घोषणा की हुई है, जिसकी प्रथम किस्त भी इस छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में ओपी जिन्दल ग्रामीण जन कल्याण संस्थान के माध्यम से प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के अध्यक्ष सत्य प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मैसी समाज में एक सम्मान के साथ बच्चों को उन्नति के मार्ग पर प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। समाज के बच्चे शिक्षित होकर समाज को ही मजबूत करने का कार्य करेंगे। समाजसेवी विपिन जिंदल ने कहा कि मैसी समाज में एक सम्मान के साथ बच्चों को उन्नति के मार्ग पर प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। यह अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा है। डा. सुभाष गर्ग ने कहा कि समाज के निर्माण में जहां शिक्षा का अहम योगदान है, वहीं देश के विकास एवं अर्थव्यवस्था में भी शिक्षा का विशेष स्थान है। कार्यक्रम शिरकत करते हुए डा. रामनिवास गर्ग ने कहा कि विश्व स्तर पर आज जो भी भारत को सम्मान मिल रहा है वह शिक्षित समाज के कारण ही मिल रहा है। उद्योगपति रमेश गोयल ने कहा कि समाज में लोग सहयोग तो बहुत से लोग करना चाहते हैं लेकिन मैसी संस्था ही सहयोग कार्य में उचित माध्यम बन रही है। मंच संचालन डा. मोहित गुप्ता ने किया। इस अवसर पर संस्था की तरफ से सुमित गर्ग हिंदुस्तानी ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। मैसी के प्रधान मुनीष मित्तल गुप्ता ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी और धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मैसी एक संस्था या स्कीम नहीं रही बल्कि एक मुहिम बन चुकी है। जिसे राज्य के अन्य जिलों में शुरू किया जा रहा है। मैसी के मुख्य व्यवस्थापक राजेश सिंगला ने पिछले 14 वर्षों में मैसी की गतिविधियों और उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन शिक्षा सम्मान योजना का गठन बच्चों को सम्मान के साथ शिक्षा उपलब्ध करवाने का रहा है। इसी उद्देश्य को पूर्ण करते हुए आज मैसी के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर विद्यार्थी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च पदों पर विराजमान हैं। कुछ तो मल्टीनेशनल कंपनियों में नौकरी हासिल कर लाखों रुपए का वेतन पैकेज प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में शिवम बंसल, रविन्द्र अग्रवाल, कपूर चंद गर्ग, अतुल गर्ग पंचकूला, राकेश गर्ग पंचकूला, रोशन लाल गुप्ता, विपिन गोयल पारस, अशोक गर्ग, प्रमोद बंसल, राजेश सिंगला, संजीव सीकरी, मास्टर लच्छी राम, पुरषोत्तम गुप्ता, अमर नाथ मित्तल, मनोज गुप्ता, कुलवंत गर्ग, विनय गुप्ता, कपिल मित्तल, अशोक गुप्ता, संजीव गर्ग, विजय गर्ग, श्रीकांत बंसल, अजय गुप्ता, सुमित गर्ग, विनोद गर्ग, रमेश गर्ग, विनोद अग्रवाल, श्रीराम बंसल, राजन जिन्दल, निशी गुप्ता, नीलम गर्ग, पायल मित्तल, शालू गर्ग, ललिता, पिंकी जैन, मुकेश मित्तल, अश्विनी जिन्दल, प्रवीण मित्तल, ज्ञान गर्ग, बिमल गुप्ता, रमेश सिंघल, शालिनी, बीबी जिन्दल, वरूण गुप्ता, बृज जिन्दल, राजेश गर्ग, अमित गोयल, विपिन गर्ग, सतीश बिन्दल, अंकुर बंसल, सुमन्त गोयल, डा. माला राम बंसल, पवन गर्ग, विशाल गोयल, डीके गुप्ता, विपिन गुप्ता, राकेश गर्ग, राजीव गोयल, रिषि राम अग्रवाल, रजनीश गुप्ता, वीना गुप्ता, विनोद गुप्ता अग्रकुल सेवा सदन करनाल एवं साथी, अजय गर्ग बंटी, दर्शन गुप्ता, गौरव मित्तल, गगन गर्ग, प्रवेश गर्ग, राजेश बंसल के के गुप्ता इत्यादि मौजूद रहे।

अमृतवाणी

शिरोमणि सतगुरु रविदास जिओ की

रैदास इक ही बूंद सो, सब ही भयो वित्थार।
मुरखि हैं तो करत हैं, बरन अवरन विचार॥

जय गुरुदेव जी

व्याख्या: इस श्लोक के माध्यम से शिरोमणि सतगुरु रविदास जी हमें समझाते हैं कि हम सब एक ही ईश्वर की संतान हैं, फिर भी कुछ लोग मूर्खता में आकर जाति और ऊँच-नीच का भेद करते हैं। असल में, यह भेदभाव सिर्फ अज्ञानता का परिणाम है। समझदार व्यक्ति इस सच्चाई को पहचानकर सबको समान दृष्टि से देखता है।

धन गुरुदेव जी

प्रेरक कहानियां.....

जब गौतम बुद्ध और पेड़

गौतम बुद्ध के जीवन में पेड़ का अत्यंत महत्व था। उनके जीवन के कई महत्वपूर्ण क्षण पेड़ से जुड़े थे। उनसे ही जुड़कर एक साधारण बोधि वृक्ष हमेशा के लिए एक दिव्य ज्ञान का पेड़ बन गया। इन क्षणों की महत्ता और पेड़ की अपने जीवन में भूमिका को बुद्ध भी बखूबी समझते थे, इसलिए वे पेड़ से इस तरह व्यवहार करते थे जैसे कि वह उनसे बातें करता हो। उनसे जुड़ा यह प्रेरक प्रसंग आपके जीवन में भी पेड़ को लेकर एक नया नजरिया प्रदान करेगा।

आपने इस वृक्ष को नमन क्यों किया ?

एक बार महात्मा बुद्ध एक वृक्ष को ऐसे नमन कर रहे थे जैसे वह उनका गुरु हो या कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति। दूर खड़ा उनका एक शिष्य यह सब देख रहा था। उसे गौतम बुद्ध जैसे ज्ञानी को पेड़ के सामने झुकते देख बहुत हैरानी हो रही थी। वह बुद्ध के पास गया और पूछा, भगवन्! आपने इस वृक्ष को नमन क्यों किया? शिष्य का सवाल सुन बुद्ध ने कहा – क्या इस वृक्ष को नमन करने से कुछ अनहोनी हो गई? शिष्य बोला – नहीं भगवन्! ऐसी बात नहीं है लेकिन मेरे लिए यह हैरानी की बात है कि आप जैसा ज्ञानी महापुरुष इस वृक्ष को नमस्कार कर रहा है। यह एक साधारण वृक्ष है। यह न तो आपकी किसी बात पर प्रतिक्रिया दे सकता है और न ही आप जैसे ज्ञानी का सानिध्य पाकर या आपके नमन करने पर अपनी प्रसन्नता जाहिर कर सकता है।

बुद्ध ने मुस्कुराकर जवाब दिया – वत्स! तुम्हारा सोचना पूर्णत: गलत है। वृक्ष भले मेरी-तुम्हारी तरह बोलकर उत्तर नहीं दे सकता है लेकिन जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की एक भाषा होती है, उसी प्रकार प्रकृति की भी अपनी भाषा होती है। वृक्ष में भी प्राण हैं। वह भी सजग और सजीव है। वृक्ष के नीचे बैठकर ही मैंने वर्षों साधना की है। वृक्ष की घनी पत्तियों ने मुझे शीतलता प्रदान की, चिलचिलाती धूप और वर्षा से मेरा बचाव किया। प्रत्येक पल पेड़ ने मेरी सुरक्षा की। पेड़ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना मेरा परम कर्तव्य है। बात सिर्फ मेरी या इस पेड़ की नहीं है बल्कि पृथ्वी पर मौजूद प्रत्येक जीव को प्रकृति का कृतज्ञ होना चाहिए।

यह मेरे धन्यवाद का जवाब बड़ी ही खूबसूरती से दे रहा है

आगे बुद्ध ने कहा – तुम इस वृक्ष को ध्यान से देखो। इसकी हिलती हुई टहनियों को देखो, इसके हिलते हुए पत्तों को देखो। क्या तुम्हें नहीं लग रहा कि यह मेरे धन्यवाद का जवाब बड़ी ही खूबसूरती से दे रहा है और अपनी भाषा में मुझसे बात करने की कोशिश कर रहा है।

बुद्ध की बात पर शिष्य ने वृक्ष को नए नजरिए से देखा और महसूस किया कि वाकई में उस वृक्ष की पत्तियां, शाखाएं, फूल झूम-झूमकर कुछ कहने की कोशिश कर रही हैं। अब शिष्य को भी वृक्ष के प्रति कृतज्ञता महसूस हुई और वह भी सम्मान में उसके आगे झुक गया।

केयूके प्रो. सुनील ढींगरा व प्रो. अनिता यादव बने मूक कोऑर्डिनेटर

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल सिंह रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार यूआईईटी संस्थान के प्रोफेसर सुनील ढींगरा तथा बायो-टेक्नोलॉजी विभाग की प्रो. अनिता यादव को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेशो तक मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इसके साथ ही यूआईईटी संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रीता दहिया तथा डॉ. निखिल मारीवाला को मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) का डिप्टी-कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

महाथेरी यशोधरा

जिंदगी अब कुछ घड़ियों की बची है। तथागत ! यदि मैंने आपका कभी दिल दुखाया हो तो माफ़ कर देना।

राहुल माता यशोधरा, अब संघ में भिक्खुणी भद्दा कच्चाना थी। वह वरिष्ठ, प्रज्ञावान और ध्यान साधना में उच्च पद पर पहुंच कर निर्वाण को प्राप्त हो चुकी थी। अठहत्तर वर्ष की उम्र हो गई थी। अब वह देह छोड़ना चाहती थी।

देह छोड़ने से पहले वह अपने मार्ग-दाता बुद्ध से मिलने और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए उनके पास गई।

तथागत का वंदन किया और बोली, तथागत! मैंने आपके माध्यम से सब कुछ पा लिया है, अब %मैं अपनी शरण आप हूं।% अब जिंदगी चंद घड़ियों की बाकी है, आज रात ही देह छोड़ना चाहती हूं। यदि मैंने कभी आपका दिल दुखाया हो तो मुझे माफ कर देना

यह कहकर महाथेरी यशोधरा ने भगवान बुद्ध और भिक्षु भिक्षुणी संघ से मार्मिक विदाई ली। उसी रात उन्होंने शरीर त्याग कर परिनिर्वाण को प्राप्त किया। दो साल बाद भगवान बुद्ध ने 80 वर्ष की उम्र में शरीर छोड़ा और महापरिनिर्वाण को प्राप्त हुए।

राजकुमार सिद्धार्थ की पत्नी यशोधरा, सुख दुख की साथी, राहुल माता, परिवार को संभालने वाली, त्याग व समर्पण, धैर्य और सहनशीलता की साक्षात मूर्ति थी। भिक्षुणी के रूप में उन्होंने साधना से जीवन के सारे बंधनों को तोड़ा, विकारों को नष्ट कर निर्वाण और अरहत को प्राप्त किया। राहुल-माता यशोधरा का समर्पण व त्याग अमर है।

सबका मंगल हो.. सभी प्राणी सुखी हो

डॉ एम एल परिहार, पाली,जयपुर।

ईश्वर को मिलना चाहता हूं

एक संन्यासी सारी दुनिया की यात्रा करके भारत वापस लौटा था। एक छोटी सी रियासत में मेहमान हुआ।

उस रियासत के राजा ने जाकर संन्यासी को कहा

स्वामी , एक प्रश्न बीस वर्षो से निरंतर पूछ रहा हूं। कोई उत्तर नहीं मिलता ।

क्या आप मुझे उत्तर देंगे ?

स्वामी ने कहा : निश्चित दूंगा ।

उस संन्यासी ने उस राजा से कहा = नहीं , आज तुम खाली नहीं लौटोगे। पूछो।

उस राजा ने कहा : मैं ईश्वर से मिलना चाहता हूं। ईश्वर को समझाने की कोशिश मत करना। मैं सीधा मिलना चाहता हूं ।

उस संन्यासी ने कहा : अभी मिलना चाहते हैं कि थोड़ी देर ठहर कर ?

राजा ने कहा : माफ करिए , शायद आप समझे नहीं। मैं परम पिता परमात्मा की बात कर रहा हूं , आप यह तो नहीं समझे कि किसी ईश्वर नाम वाले आदमी की बात कर रहा हूं, जो आप कहते हैं कि अभी मिलना है कि थोड़ी देर रुक सकते हो ?

उस संन्यासी ने कहा: महानुभाव , भूलने की कोई गुंजाइश नहीं है। मैं तो चौबीस घंटे परमात्मा से मिलाने का धंधा ही करता हूं। अभी मिलना है कि थोड़ी देर रुक सकते हैं , सीधा जवाब दें ।

बीस साल से मिलने को उत्सुक हो और आज वक्त आ गया तो मिल लो।

राजा ने हिम्मत की , उसने कहा = अच्छा मैं अभी मिलना चाहता हूं मिला दीजिए।

संन्यासी ने कहा : कृपा करो , इस छोटे से कागज पर अपना नाम पता लिख दो ताकि मैं भगवान के पास पहुंचा दूं कि आप कौन हैं ।

राजा ने लिखा : अपना नाम , अपना महल , अपना परिचय , अपनी उपाधियां और उसे दीं ।

वह संन्यासी बोला कि महाशय , ये सब बाते मुझे झूठ और असत्य मालूम होती हैं जो आपने कागज पर लिखीं ।

उस संन्यासी ने कहा : मित्र , अगर तुम्हारा नाम बदल दें तो क्या तुम बदल जाओगे ?

तुम्हारी चेतना , तुम्हारी सत्ता , तुम्हारा व्यक्तित्व दूसरा हो जाएगा ?

उस राजा ने कहा : नहीं, नाम के बदलने से मैं क्यों बदलूंगा ? नाम नाम है , मैं मैं हूं।

तो संन्यासी ने कहा : एक बात तय हो गई कि नाम तुम्हारा परिचय नहीं है , क्योंकि तुम उसके बदलने से बदलते नहीं। आज तुम राजा हो , कल गांव के भिखारी हो जाओ तो बदल जाओगे ?

उस राजा ने कहा: नहीं , राज्य चला जाएगा , भिखारी हो जाऊंगा , लेकिन मैं क्यों बदल जाऊंगा ?

मैं तो जो हूं हूं। राजा होकर जो हूं , भिखारी होकर भी वही होऊंगा।

न होगा मकान , न होगा राज्य , न होगी धन- संपति , लेकिन मैं ? मैं तो वही रहूंगा जो मैं हूं।

तो संन्यासी ने कहा : तय हो गई दूसरी बात कि राज्य तुम्हारा परिचय नहीं है , क्योंकि राज्य छिन जाए तो भी तुम बदलते नहीं। तुम्हारी उम्र कितनी है ?

उसने कहा : चालीस वर्ष।

संन्यासी ने कहा : तो पचास वर्ष के होकर तुम दुसरे हो जाओगे ? बीस वर्ष या जब बच्चे थे तब दुसरे थे ?

उस राजा ने कहा : नही। उम्र बदलती है , शरीर बदलता है लेकिन मैं ? मैं तो जो बचपन में था , जो मेरे भीतर था , वह आज भी है।

उस संन्यासी ने कहा: फिर उम्र भी तुम्हारा परिचय न रहा , शरीर भी तुम्हारा परिचय न रहा।

फिर तुम कौन हो ? उसे लिख दो तो पहुंचा दूं भगवान के पास , नहीं तो मैं भी झूठा बनूंगा तुम्हारे साथ।

यह कोई भी परिचय तुम्हारा नहीं है।

राजा बोला : तब तो बड़ी कठिनाई हो गई। उसे तो मैं भी नहीं जानता फिर ! जो मैं हूं , उसे तो मैं नहीं जानता ! इन्हीं को मैं जानता हूं मेरा होना।

उस संन्यासी ने कहा: फिर बड़ी कठिनाई हो गई , क्योंकि जिसका मैं परिचय भी न दे सकूं , बता भी न सकूं कि कौन मिलना चाहता है , तो भगवान भी क्या कहेंगे कि किसको मिलना चाहता है ?

तो जाओ पहले इसको खोज लो कि तुम कौन हो। और मैं तुमसे कहे देता हूं कि जिस दिन तुम यह जान लोगे कि तुम कौन हो ,

उस दिन तुम आओगे नहीं भगवान को खोजने।

क्योंकि खुद को जानने में वह भी जान लिया जाता है जो परमात्मा है ।

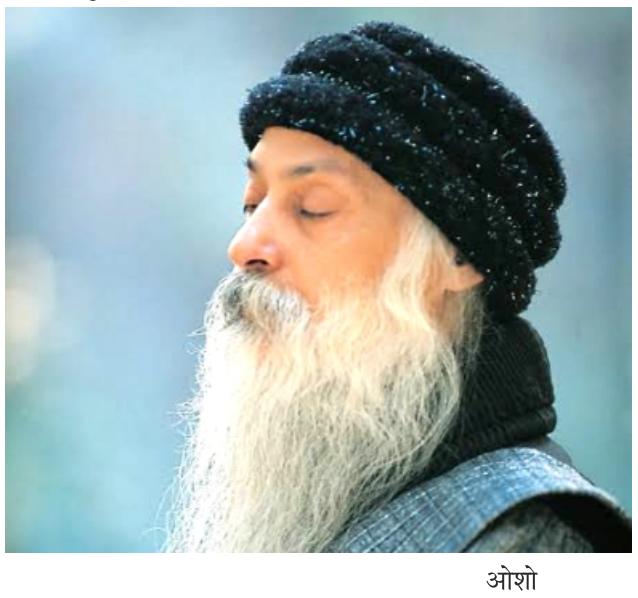

ओशो

सीएम का कहना, संस्थाओं ने माना हर परीक्षार्थी को खिलाया खाना

सीएम सिटी में परीक्षार्थियों की मेहमानों की तरह की सेवा

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । सीएम का कहना, संस्थाओं ने माना और हर परीक्षार्थी को खिलाया भर पेट खाना। जी हां कुरुक्षेत्र में हर परीक्षार्थी को पीने का ठंडा पानी, खाने के लिए भोजन की व्यवस्था हर सेंटर के बाहर करवाई गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच को अमलीजामा पहनाने के लिए पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा के आग्रह पर शहर की तमाम समाजसेवी और धार्मिक संस्थाएं समाजसेवा के इस कार्य के लिए आगे आई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार सोनीपत जिले से आए हजारों परीक्षार्थियों को मेहमानों की तरह सेवा करने के लिए पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने लगातार 2 दिन कमान संभाल कर रखी। इतना ही नहीं पूर्व राज्यमंत्री ने स्वयं लंगर की सेवा की और परीक्षार्थियों से सरकार और प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों के बारे में फीडबैक रिपोर्ट भी ली। इस सीएम सिटी में सरकार और प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की हर परीक्षार्थी ने जमकर प्रशंसा की है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा में लगभग 13 लाख परीक्षार्थी सीईटी की परीक्षा दे रहे है। इन परीक्षार्थियों के लिए पहली बार बड़े स्तर पर यातायात के साथ-साथ हर तरह के प्रबंध किए गए है और किसी भी परीक्षार्थी को रत्ती भी परेशानी नहीं आने दी गई। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सीएम सिटी में मुख्यमंत्री के आह्वान पर शहर की तमाम संस्थाएं परीक्षार्थियों को पीने का पानी और भोजन उपलब्ध करवाने के लिए आगे आई और हर सेंटर के बाहर भंडारा लगाकर भोजन उपलब्ध करवाया गया। इस समाज सेवा के लिए संस्थाओं की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। इतना ही नहीं स्कूलों की तरफ से भी भंडारा लगाया गया।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 80% ओबीसी, 83% एसटी पद खाली', राहुल गांधी बोले- ये मनुवादी साजिश है

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

दिल्ली, एजेंसी । संसद का मॉनसून सत्र जारी है। सत्र के दौरान संसद में मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी) के प्रतिनिधित्व की भयावह स्थिति को संस्थागत मनुवाद करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह कोई मामूली लापरवाही नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है, जिसका मकसद बहुजन समाज को शिक्षा, शोध और नीति-निर्माण की मुख्यधारा से दूर रखना है।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में आंकड़े क्या कहते हैं?

प्रोफेसर पदों पर

एसटी वर्ग के 83% पद

ओबीसी वर्ग के 80% पद

एससी वर्ग के 64% पद रिक्त हैं।

एसोसिएट प्रोफेसर पदों पर

एसटी वर्ग के 65%

ओबीसी वर्ग के 69%

एससी वर्ग के 51% पद रिक्त हैं।

राहुल गांधी ने इन आंकड़ों को बहुजनों के अधिकारों पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि बहुजन बहिष्कार की नीति है।

'एनएफएस' के बहाने बहुजनों को बाहर करने का आरोप

राहुल गांधी ने ' नोट फाउंड सूटेबल (एनएफएस) ' व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि योग्य एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों को जानबूझकर अयोग्य घोषित किया जा रहा है, जबकि उनके पास आवश्यक योग्यता और अनुभव दोनों होते हैं। इससे बहुजन समुदायों की समस्याएं शिक्षा और अनुसंधान से ही गायब कर दी जाती हैं।

राहुल गांधी ने की ये मांग?

राहुल गांधी ने कहा कि यह अस्वीकार्य है और सभी रिक्त पदों को तत्काल भरने की मांग की। उन्होंने सरकार से बहुजनों को उनका संवैधानिक हक देने और मनुवादी सोच का बहिष्कार करने की अपील की।

विधायक योगेन्द्र राणा ने बार एसोसिएशन असंध के विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपए प्रदान किए

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

असंध/करनाल। असंध विधायक योगेन्द्र राणा ने सोमवार को बार एसोसिएशन असंध के विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। विधायक योगेन्द्र राणा का बार एसोसिएशन असंध में पहुंचने पर समस्त बार एसोसिएशन ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

विधायक योगेन्द्र राणा के समक्ष बार एसोसिएशन द्वारा उनके कार्यालय में एसी, टॉयलेट , सफाई आदि मूलभूत सुविधाओं की कमी की मांग उठाई गई जिसको विधायक द्वारा मौके पर ही पूरा करते हुए उक्त कार्यों के लिए 11 लाख रुपए प्रदान किए गए। इस मौके पर विधायक ने समस्त बार एसोसिएशन का इस कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त हुए कहा कि बार एसोसिएशन की अन्य सभी मांगों को बजट और समय अनुसार पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बार एसोसिएशन की सभी समस्याओं का त्वरित निवारण किया जाएगा। विधायक ने कहा कि वकील होना एक प्रतिष्ठित कार्य है जो लोगों को न्याय दिलाता है और लोग वकील को न्याय की उम्मीद से देखते हैं।

विधायक ने कहा कि वो भी असंध की समस्त जनता के वकील हैं और वो हर स्तर पर अपनी विधानसभा के लोगों की वकालत करने को तैयार हैं। विधायक योगेंद्र राणा ने इस मौक़े पर अपने संबोधन में कहा कि यह जीत मेरी न होकर असंध की समस्त जनता की जीत है।

विधायक ने कहा कि असंध विधानसभा में समान रूप से विकास कार्य किए जाएंगे। समस्त असंध विधानसभा की जनता मेरा परिवार है।

इस अवसर पर बार एसोसिएशन से सोमदत्त शर्मा प्रधान, सिमरनजीत सिंह- उप-प्रधान, कुलदीप रोजरा सचिव और ईशानी राणा सह सचिव, रामनिवास सिंह कोषाध्यक्ष, अधिकवता सतीश, इंद्रजीत राणा, नरेंद्र शर्मा और गुरविंदर सिंह एवं समस्त अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

विधायक योगेंद्र राणा ने आमजन की समस्याएं सुनकर तुरन्त निवारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

असंध में सोमवार को विधायक योगेंद्र राणा ने नई अनाज मंडी स्थित कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनी और उनके तुरन्त निवारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान करना ही मेरा ध्येय है। समस्याओं का समाधान बातचीत करने व बताने से होता है। इसलिए जनता और सरकार के बीच सीधा संवाद लोकतंत्र की मजबूती के लिए काफी अहम है। उन्होंने आमजन से भी कहा कि आमजन के लिए विधायक के द्वार खुले हैं और समस्याओं के निवारण के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस मौके पर असंध क्षेत्र के लोगों ने अपनी समस्याओं को सांझा किया। विधायक ने उनके द्वारा बताए गए विभिन्न विषयों को सुना और निवारण हेतु मौके पर ही अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

ज्यादा दिन के लिए घर से बाहर जा रहे हैं, तो स्थानीय पुलिस को अवश्य करें सूचित: एसपी

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो अपने नजदीकी थाना/चौंकी में अवश्य सूचित करें ताकि आपके घर के आस पास पुलिस सुरक्षा को बढ़ाया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि वैसे तो पुलिस की ओर से सभी चौक-चौराहों व मोहल्लों में पुलिस द्वारा निरंतर गश्त की जा रही है, परंतु पुलिस को बाहर जाने की सूचना मिलने पर उन घरों और मकानों के आसपास अतिरिक्त गश्त बढ़ाई जाएगी।

पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र श्री नीतीश अग्रवाल ने एडवाइजरी के माध्यम से लोगों को कहा कि अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो इस बारे में सूचना अपने नजदीकी थाना/चौंकी में जरुर दें ताकि आपके घर के आस-पास पुलिस गश्त बढाई जा सके। मकान किराए पर देते समय पुलिस को अवश्य सूचित करें ताकि, उक्त किराएदार के बारे में तस्दीक की जा सके। पुलिस अधीक्षक ने जिलावासियों से अपील की है कि अगर उनके घर के आस-पास किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि नजर आती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक व्यक्ति व उसकी जान-माल की सुरक्षा करना पुलिस का परम दायित्व है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधिक वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए नियमित गश्त, पीसीआर व मोटरसाइकिल राइडर के अलावा रात्री पैदल गस्त लगातार जारी है। जिला के भीड़भाड़ वाले स्थानों पर रात्री पैदल गस्त के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर औचक नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। उन्होंने होटल, धर्मशाला तथा साइबर कैफे संचालकों से कहा है कि उनके पास रुकने वाले व्यक्तियो का पूरा नाम पता नोट करें ताकि उनके पास रुकने वाले व्यक्ति के चाल चलन के बारे में पूरी तरह तस्दीक की जा सके। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि गैर कानूनी धंधा करने वालों की सूचना पुलिस को देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

दिव्यांग परीक्षार्थियों को सेंटर तक ए सी वाहन का सफर करवाने पर हर मुख से निकला थैंक्यू सीएम साहब

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । थैंक्यू सीएम साहब, थैंक्यू सीएम साहब..., गांव भेरियां की दिव्यांग बच्ची नवजोत कौर ने हर शब्द में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रशासन का सीईटी की परीक्षा के लिए घर से सेंटर और फिर सेंटर से घर तक ए सी वाहन उपलब्ध करवाने पर प्रशंसा कर आभार जताया। जी हां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशों की पालना करते हुए उपायुक्त नेहा सिंह ने सीईटी की परीक्षा देने वाले एक-एक विद्यार्थी को घर से लाने के लिए ए सी वाहनों का प्रबंध किया। इन परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए इसके लिए अधिकारी और कर्मचारी की डयूटी भी लगाई।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई को सीईटी की परीक्षा के लिए दिव्यांग परीक्षार्थियों के सेंटर कुरुक्षेत्र शहर में ही बनाएं। इस परीक्षा केन्द्र में दिव्यांग अभ्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक लाने व पेपर के बाद परीक्षा केन्द्र से घर तक छोडने के लिए ब्लॉक वाइस ग्राम सचिवों की डयूटी लगाई। इन ग्राम सचिवों को उपायुक्त की तरफ से सख्त आदेश भी दिए गए कि प्रत्येक अभ्यार्थी व ड्राईवर से दूरभाष पर सम्पर्क करके दिव्यांगजनों को पेपर दिलवाना सुनिश्चित करे। इसके लिए बकायदा शैडयूल तैयार किया गया और सूचि भी तैयार की गई। इस सूचि के अनुसार पिहोवा, शाहबाद, झांसा, लाडवा, इस्माइलाबाद से 100 से ज्यादा दिव्यांग परीक्षार्थियों को सेंटरों तक पहुंचाया गया। इन सभी ने वाहन उपलब्ध करवाने के लिए सहमति व्यक्त की थी। भेरियां निवासी नवजोत कौर, पिहोवा से विकास, कमौदा से शुभम, बुहावी और बेरथला, सेक्टर 30, सराय सुखी से प्रवीण, शाहबाद के कलसाना से सतीश कुमार, सीमा देवी, मांगा राम, लाडवा, झांसा, पिहोवा, गांव दिवाना, बसंतपुर से गोपाल सिंह, वापिस पिहोवा अनिल, अरूणाय आदि जगहों से दिव्यांग अभ्यार्थियों को ए सी वाहन सेंटर तक और फिर घर तक छोडने के लिए उपलब्ध करवाया गया। नवजोत कौर ने बार-बार सरकार द्वारा सीईटी की परीक्षा के लिए गर्मी में ए सी वाहन उपलब्ध करवाकर अनोखा काम किया है। इसके लिए सरकार और प्रशासन बधाई के पात्र है। इन प्रबंधों के लिए जितनी प्रशंसा की जाए उतनी ही कम है।

कलसाना निवासी सतीश कुमार, शाहबाद से सीमा देवी व मांगा राम ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा सीईटी की परीक्षा के लिए किए गए पुख्ता प्रबंधों की जमकर प्रशंसा की है। इस पेपर के लिए दिव्यांग जनों को वाहन उपलब्ध करवाकर परीक्षा देने के कार्य को सहज बनाने का काम किया है। इतना ही नहीं सीईटी का पेपर पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न करवाया गया है, हर स्तर पर अच्छे प्रबंध किए गए। इन प्रबंधों को लगातार बनाएं रखना उपायुक्त नेहा सिंह के साथ-साथ उनकी टीम के अधिकारी भी बधाई के पात्र है।

हरियाणा में 40 लाख से कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर फिर मिलेगी सब्सिडी, मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

गजब हरियाणा न्यूज/सुदेश

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार ने मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए 40 लाख से कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी को फिर से बहाल करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस कदम का उद्देश्य पर्यावरण-हितैषी परिवहन को बढ़ावा देना और आम जनता के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक सुलभ बनाना है।

यह घोषणा 24 जुलाई को हुई एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान की गई, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने नई एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) नीति को लेकर की थी। बैठक में अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि वर्तमान में केवल 40 लाख से अधिक कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर ही 15 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध है, जो मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर है।

राव नरबीर सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना तभी सार्थक होगा जब इसका लाभ आम नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से इस संबंध में आवश्यक नीतिगत निर्णय लेने का निर्देश दिया।

औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन पर जोर

मंत्री ने अधिकारियों को यह भी स्पष्ट किया कि भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत मिलने वाली अनुदान राशि के लिए राज्य स्तर पर प्रक्रियाओं को तय समय में पूरा किया जाना चाहिए, ताकि फंड समय पर

प्राप्त हो सके और औद्योगिक विकास में कोई बाधा न आए।

उन्होंने 2019 की एमएसएमई नीति में आवश्यक संशोधन शीघ्र पूरे करने और एक नई एमएसएमई नीति जल्द लागू करने के निर्देश भी दिए। राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा न केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का हिस्सा है, बल्कि इसकी इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और जेवर एयरपोर्ट से सीधी कनेक्टिविटी भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए एक आधुनिक, व्यावहारिक और समावेशी नई औद्योगिक नीति तैयार की जानी चाहिए, जिससे राज्य में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो सकें।

शिक्षा में हरियाणा का नूंह सबसे कम साक्षर, गुरुग्राम सबसे आगे

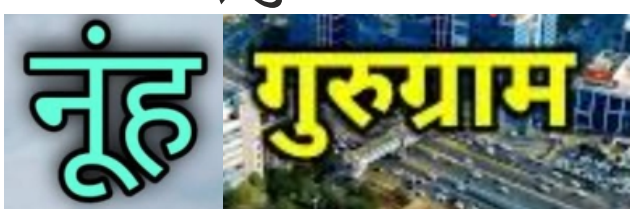

गजब हरियाणा न्यूज/गुरावा

गुरुग्राम । उत्तर भारत के प्रमुख राज्यों में शुमार हरियाणा, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कृषि उत्पादन और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। महाभारत काल से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक इस राज्य का योगदान उल्लेखनीय रहा है। आज हरियाणा को %खिलाड़ियों का गढ़% भी कहा जाता है, जहां के एथलीटों ने ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत को गौरवान्वित किया है। राज्य शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार प्रयास कर रहा है, हालांकि कुछ जिले अभी भी इस दौड़ में पीछे हैं।

नूंह: सबसे कम साक्षरता दर वाला जिला

हरियाणा में नूंह जिला साक्षरता दर के मामले में सबसे पीछे है, जिसकी कुल साक्षरता दर केवल 56.10त्न है। आंकड़ों से पता चलता है कि पुरुष साक्षरता दर 69.94त्न है, जबकि महिला साक्षरता दर सिर्फ 36.60त्न है। ये आंकड़े नूंह जिले में महिला शिक्षा की चिंताजनक स्थिति को उजागर करते हैं, जो इस क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देते हैं।

गुरुग्राम: सबसे अधिक साक्षर जिला

इसके विपरीत, गुरुग्राम जिला हरियाणा का सबसे अधिक साक्षर जिला है, जिसकी साक्षरता दर 84.4त्न है। गुरुग्राम का लिंगानुपात 1000 पुरुषों पर 853 महिलाएं है, जो राज्य के अन्य जिलों की तुलना में बेहतर स्थिति को दर्शाता है।

हरियाणा की साक्षरता दर पर एक नजर

पूरे हरियाणा की औसत साक्षरता दर 75.55त्न है। इसमें पुरुष साक्षरता दर 84.06त्न और महिला साक्षरता दर 65.94त्न है। यह अंतर राज्य में लिंग आधारित शिक्षा असमानता को दर्शाता है, जिस पर काम करने की आवश्यकता है।

हरियाणा का सामान्य परिचय

हरियाणा राज्य की स्थापना 1 नवंबर, 1966 को हुई थी और इसकी राजधानी चंडीगढ़ है। राज्य में कुल 22 जिले हैं और इसका कुल क्षेत्रफल 44,212 वर्ग किलोमीटर है, जो इसे क्षेत्रफल के आधार पर भारत का 20वां सबसे बड़ा राज्य बनाता है। प्रशासनिक रूप से, हरियाणा में 6 मंडल, 73 उपमंडल और 93 तहसीलें हैं।

यह जानकारी हरियाणा में शिक्षा के परिदृश्य को समझने में मदद करती है और उन क्षेत्रों पर प्रकाश डालती है जहां सुधार की तत्काल आवश्यकता है, विशेषकर महिला शिक्षा के क्षेत्र में।

केंद्रीय कर्मचारियों को मिली बड़ी राहत, व्यक्तिगत कारणों से ले सकेंगे 30 दिन की छुट्टी, वेतन नहीं कटेगा

गजब हरियाणा न्यूज/ डॉ जरनैल रंगा

दिल्ली । केंद्रीय कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। अब वे हर साल 30 दिनों की छुट्टी अपने व्यक्तिगत कारणों से ले सकेंगे, जिसमें बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल भी शामिल है। खास बात यह है कि इस छुट्टी के दौरान उनका वेतन नहीं कटेगा। यह घोषणा केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में की, जिससे केंद्रीय कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

क्या था मामला?

यह मुद्दा तब उठा जब राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मिक ने गुरुवार को सदन में एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रश्न उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या केंद्रीय कर्मचारियों को बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल के लिए कोई विशेष छुट्टी मिलती है? उन्होंने यह भी जानने की कोशिश की कि अगर ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो क्या सरकार शिशु देखभाल अवकाश की तरह ही बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए विशेष छुट्टी देने पर विचार कर रही है?

सरकार का स्पष्टीकरण

सांसद के सवाल के जवाब में, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सिविल सेवक (छुट्टी) नियम, 1972 (Central Civil Servants (Leave) Rules, 1972) के तहत केंद्रीय कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार की छुट्टियां मिलती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुल मिलाकर 60 दिनों की छुट्टियां उपलब्ध हैं, जो त्योहारों की छुट्टियों और साप्ताहिक अवकाश से अलग हैं।

उपलब्ध छुट्टियों का विवरण

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि केंद्रीय कर्मचारियों को सालाना मिलने वाली छुट्टियों में निम्नलिखित शामिल हैं

30 दिन की अर्नड लीव (Earned Leave) ये वे छुट्टियां हैं जिन्हें कर्मचारी अपने व्यक्तिगत कारणों से ले सकते हैं।

20 दिनों की हाफ-डे लीव (Half Pay Leave) ये अर्ध-वेतन पर मिलने वाली छुट्टियां हैं।

8 दिनों की कैजुअल लीव (Casual Leave) ये आकस्मिक छुट्टियां होती हैं।

2 दिनों की रेस्ट्रिक्टेड हॉलिडे (Restricted Holiday) ये कर्मचारी अपनी पसंद के त्योहारों पर ले सकते हैं, जो राजपत्रित अवकाश सूची में शामिल नहीं होते।

मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इन सभी छुट्टियों को कर्मचारी अपनी आवश्यकतानुसार किसी भी व्यक्तिगत कारण से उपयोग कर सकते हैं, जिसमें बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल भी शामिल है। इस घोषणा से निश्चित रूप से उन केंद्रीय कर्मचारियों को राहत मिलेगी जो अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

यह खबर केंद्रीय कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आई है, क्योंकि यह उन्हें अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक दायित्वों को पूरा करने में मदद करेगी, बिना वेतन कटौती के चिंता के।

आंबेडकर फोटो फड़वाने के आरोप में प्रधानाध्यापक पर FIR की मांग, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

गजब हरियाणा न्यूज/ डॉ जरनैल रंगा

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश हमीरपुर के सुमेरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत सिमनौड़ी स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ज्ञानेंद्र सिंह पर भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर फाड़ने के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक के तत्काल तबादले की मांग करते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। आरोपों से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रधानाध्यापक कथित तौर पर यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि हां, हमने सभी बच्चों से भीमराव आंबेडकर का फोटो फड़वाया है, नोट कर लो...। हालांकि, गजब हरियाणा समाचार पत्र इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

शनिवार को अनुसूचित वर्ग के छात्रों ने अपने अभिभावकों को बताया कि प्रधानाध्यापक ज्ञानेंद्र सिंह ने सवर्ण छात्रों से डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर फड़वाकर फेंकने को कहा था। यह जानकारी मिलते ही सोमवार को अभिभावक स्कूल पहुंचे और प्रधानाध्यापक से फोटो फाड़े जाने का कारण पूछा।

शुरुआत में प्रधानाध्यापक ज्ञानेंद्र सिंह ने इन आरोपों को गलत बताते हुए छात्रों की आपसी लड़ाई में फोटो फटने की बात कही। लेकिन, ग्रामीणों द्वारा लगातार दबाव बनाए जाने पर वे भड़क गए और गुस्से में कथित तौर पर यह स्वीकार कर लिया कि हां हमने फोटो फड़वाई है।

प्रधानाध्यापक के इस आचरण से आक्रोशित ग्रामीणों ने तत्काल जिलाधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) से मामले की शिकायत की है।

गांव के रमेशचंद्र, मोहनलाल, रामबहादुर, विकास, पवन, विनीत, कृष्ण गोपाल, विजय शंकर, उमेश, शिवचरण वर्मा, अजय कुमार, सुमन देवी समेत कई ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक ज्ञानेंद्र सिंह पर कई वर्षों से यहां जमे रहने और छात्रों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रधानाध्यापक के इस व्यवहार से छात्रों के बीच ऊंच-नीच और छुआछूत की भावना उत्पन्न हो रही है, जो कि एक शिक्षण संस्थान में बेहद चिंताजनक है।

प्रधानाध्यापक का पक्ष

प्रधानाध्यापक ज्ञानेंद्र सिंह ने बाद में अपने बचाव में कहा कि सोमवार सुबह 100 से अधिक ग्रामीण बिना किसी आधार के उन पर आरोप लगाने के लिए विद्यालय में घुस आए थे। उन्होंने दावा किया कि ग्रामीणों के अत्यधिक दबाव और गुस्से के कारण उनके मुंह से 'फोटो फड़वाने की बात' निकल गई थी। उनका कहना है कि वास्तविकता यह है कि छात्रों ने आपसी लड़ाई में फोटो फाड़ी थी और उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

जांच के आदेश

मामले की गंभीरता को देखते हुए, बीएसए आलोक सिंह ने सिमनौड़ी गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में डॉ. आंबेडकर की फोटो फाड़े जाने के बाद उत्पन्न हुई स्थिति की जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच का जिम्मा बीईओ मौदहा और सुमेरपुर को सौंपा गया है और उनसे दो दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी गई है। बीएसए ने आश्वासन दिया है कि रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

नायब सैनी सरकार का यू-टर्न: हरियाणा में 1 अगस्त से नहीं बढ़ेंगे कलेक्टर रेट, फिलहाल पुरानी दरें रहेंगी लागू

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार ने 1 अगस्त से नए कलेक्टर रेट लागू करने के अपने पूर्व के फैसले पर यू-टर्न ले लिया है। यह खबर हरियाणा के लोगों के लिए थोड़ी राहत भरी है, खासकर उन लोगों के लिए जो हाल ही में बढ़ी हुई प्रॉपर्टी की कीमतों से चिंतित थे। अब सरकार ने एक नई चिट्ठी जारी कर कहा है कि कलेक्टर रेट बढ़ाने का आदेश फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। नई दरों को जल्द से जल्द लागू किया जाएगा, लेकिन 1 अगस्त की समय-सीमा अब प्रभावी नहीं होगी।

पिछले साल हुई थी 12 से 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी

आपको बता दें कि पिछले साल जमीन के कलेक्टर रेट में 12 से 32 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई थी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (ह्यष्टक्र) में दिल्ली के नजदीक होने के कारण जमीन की कीमतें काफी अधिक हैं, इसलिए वहां कलेक्टर रेट बाकी जिलों से काफी ज्यादा रखे गए थे। इनमें रोहतक, पलवल, बहादुरगढ़, सोनीपत, करनाल और पानीपत में 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी, जबकि गुरुग्राम, सोहना, फरीदाबाद, पटौदी और बल्लभगढ़ के कलेक्टर रेट में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई थी। इस बार भी ऐसी अटकलें थीं कि इन क्षेत्रों में दरों में अधिक वृद्धि हो सकती है।

क्या है कलेक्टर रेट?

कलेक्टर रेट किसी भी जिले में जमीन की वह न्यूनतम कीमत होती है, जिस पर कोई रियल एस्टेट प्रॉपर्टी खरीदार को बेची जा सकती है।

इसी न्यूनतम दर पर तहसीलों में प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री होती है। कलेक्टर रेट समय-समय पर बदलता रहता है, जो स्थान और बाजार के रुझानों पर निर्भर करता है। यह दर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है और जमीन की वास्तविक बाजार मूल्य से भिन्न हो सकती है।

फिलहाल, सरकार के इस यू-टर्न के पीछे का सटीक कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह दर्शाता है कि सरकार शायद आम जनता पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को लेकर संवेदनशीलता दिखा रही है। अब यह देखना होगा कि हरियाणा सरकार नए कलेक्टर रेट कब लागू करती है और उस समय तक पुरानी दरें ही प्रभावी रहेंगी।

बुजुर्गों के पास मनोबल का भंडार, भविष्य के विकास की योजना बनाएँ: कल्याण

घरौंडा के बीआरएम कॉलेज में वरिष्ठ नागरिकों की बैठक में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष

घरौंडा शहर के एक पार्क में बुजुर्गों के लिए मीटिंग हॉल बनाने का किया वायदा

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि बुजुर्गों के पास अनुभव का भंडार है। बुद्धिजीवी वरिष्ठ नागरिकों को इस अनुभव का इस्तेमाल करते हुए क्षेत्र के विकास में भी सहयोग करना चाहिए। तरक्की कभी रुकनी नहीं चाहिए। जो विकास कार्य हुए हैं उनसे हमारा मनोबल बढ़ना चाहिए और भविष्य के विकास की योजना बनाई जानी चाहिए।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने यह बात रविवार को घरौंडा के बीआरएम कॉलेज में वरिष्ठ नागरिकों के साथ आयोजित बैठक में में कही। उन्होंने शहर के एक पार्क में बुजुर्गों के लिए यहां मीटिंग हॉल बनवाने का वादा किया, वहीं उन्हें वरिष्ठ नागरिक क्लब अथवा समिति के गठन की सलाह भी दी।

बुजुर्गों की यह भी जिम्मेदारी कि स्कूल, कॉलेज ठीक से काम कर रहे या नहीं

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बुजुर्गों की जिम्मेदारी यह देखने की भी है कि जो स्कूल, कॉलेज, अस्पताल आदि बनवाए गए हैं वे ठीक से कार्य कर रहे हैं या नहीं। इन पर खर्च की गई राशि का सदुपयोग हो रहा है या नहीं। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को उचित शिक्षा व संस्कार प्राप्त हो रहे हैं या नहीं, सड़कों पर स्वच्छता कैसी है। सामुदायिक केंद्रों का रखरखाव किस ढंग से किया जा रहा है ? अच्छे नतीजों के लिए दूरगामी सोच का होना भी जरूरी है। जनभागीदारी के साथ-साथ अपनेपन का भाव भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को धरातल पर जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करना चाहिए।

वरिष्ठ नागरिक भी शहर के विकास के बारे में विचार करें

उन्होंने कहा कि दस साल में क्षेत्र में अनेक विकास कार्य कराए गए। अभी और आगे बढ़ना है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को सलाह दी कि वे क्लब अथवा सोसायटी अथवा ग्रुप का गठन करें कार्यकारिणी की महीने में एक बार और जरनल बॉडी की बैठक भी कुछ अंतराल बाद शहर के ऑडिटोरियम में आयोजित करें। वरिष्ठ नागरिक भी शहर के विकास बारे विचार करें। उनकी एक दृष्टि परिवार पर और दूसरी क्षेत्र पर होनी चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों को भी किसी प्रकार की कोई दिक्कत है तो उस पर भी सबको मिलकर विचार करना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से पार्क में हॉल बनवाने का वादा किया। कहा कि घरौंडा को और अधिक सुंदर और स्वच्छ बनाना है। समय और आगे बढ़ने का है। इस मौके पर वरिष्ठ नागरिकों की ओर से एक मांग पत्र भी श्री कल्याण को सौंपा गया।

इस मौके पर नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, जिला परिषद के सीईओ अमित कुमार, बीडीपीओ सोमवीर, वरिष्ठ नागरिक हरिकिशन शर्मा, मनीराम शर्मा, मदन ईशपुनियानी, मास्टर टेकचंद, डा. सतवीर वर्मा, राधेश्याम धीमान, विजय भाटिया, पुरुषोत्तम सेठी आदि मौजूद रहे।

सुना मन की बात कार्यक्रम

इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वार्ड तीन की नसीर विहार कॉलोनी में पौधारोपण किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 124 वें संस्कारण को कालोनीवासियों के साथ बैठकर एलसीडी टीवी पर सुना। इस मौके पर उन्होंने लोगों से कहा कि वे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की चिंता करें। उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाए। मन की बात कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे विषयों पर चर्चा करते हैं जिनसे समाज को प्रेरणा मिले। उनका संबोधन राष्ट्रहित में प्रेरणा देने वाला होता है। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में हर किसी को सहयोग देना है। इस मौके पर पूर्व पार्षद जयभगवान व कालोनी के प्रमुख लोग मौजूद रहे।

लाडवा में श्री गुरु रविदास गुरु घर में 13वें मासिक सत्संग का आयोजन

श्रद्धालुओं ने किया शिरोमणी सतगुरु रविदास की बाणी का अमृतपान

गजब हरियाणा न्यूज/ ईमना

लाडवा । इंद्री रोड स्थित श्री गुरु रविदास गुरु घर में 13वें मासिक सत्संग का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी की बाणी का अमृतपान किया। सत्संग का शुभारंभ गुरु महाराज जी की पवित्र आरती के साथ हुआ, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोप्रोत हो गया।

इस पावन अवसर पर, गजब हरियाणा के संपादक एवं शिरोमणि सतगुरु रविदास जी बाणी प्रचारक डॉ. जरनैल सिंह रंगा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने अमृतबाणी से श्रद्धालुओं को निहाल किया और शिरोमणि सतगुरु रविदास जी के अनमोल उपदेशों की गहराई से व्याख्या की। डॉ. रंगा ने गुरु रविदास जी के कई महत्वपूर्ण बाणी का उल्लेख किया, जिनमें-

बेगमपुरा सहर को नाउ, दुख अन्दोह नहि तिहु ठाऊं- डॉ. रंगा ने इस शब्द की व्याख्या करते हुए बताया कि %बेगमपुरा% शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी द्वारा परिकल्पित एक ऐसे आदर्श समाज का नाम है जहाँ कोई दुख, चिंता या भेदभाव नहीं है। यह एक ऐसा स्थान है जो भय और शोषण से मुक्त है, जहाँ हर व्यक्ति को समान सम्मान और अधिकार प्राप्त हैं। यह केवल एक भौतिक स्थान नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अवस्था भी है जहाँ मन शांति और समता का अनुभव करता है। यह शब्द हमें ऐसे समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है जहाँ सभी मनुष्य भाईचारे और प्रेम के साथ रहें।

नर हर चंचल है मत मोरी कैसे भक्ति करूं में तोरी- इस शब्द के माध्यम से शिरोमणी सतगुरु रविदास जी मनुष्य के चंचल मन की स्थिति का वर्णन करते हैं, जो अक्सर सांसारिक मोहमाया में फंसा रहता है। डॉ. रंगा ने समझाया कि यह शब्द दर्शाता है कि सच्चे मन से भक्ति करना कितना कठिन हो सकता है, मन भटकता रहता है। सतगुरु जी यहाँ यह स्वीकार करते हैं कि उनका मन भी स्थिर नहीं है, लेकिन इसके बावजूद वे ईश्वर के प्रति अपनी प्रेमाभक्ति व्यक्त करते हैं। यह शब्द हमें सिखाता है कि भक्ति के लिए मन की स्थिरता अत्यंत आवश्यक है, लेकिन इसके बावजूद हमें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

वासना फुलां दी जन्विें खिचदी ए भोर नू सानू खिच लेंदा तेरा प्यार कांशी वालेया - सानू खिच लेंदा तेरा प्यार- यह भजन शिरोमणी सतगुरु रविदास जी के ईश्वर के प्रति अगाध प्रेम और भक्ति को दर्शाता है। डॉ. रंगा ने इस भजन की सुंदरता को उजागर करते हुए बताया कि जिस प्रकार भौंरा फूलों की सुगंध से आकर्षित होकर उनके पास खिंचा चला आता है, उसी प्रकार श्रद्धालु का मन भी सत्संग और शिरोमणी सतगुरु रविदास महाराज जी की पावन बाणी की कशिश में, यानी परमात्मा के प्रेम में खिंचा चला आता है। यह भजन भक्त और भगवान के बीच के अनूठे संबंध को दर्शाता है।

डॉ. रंगा ने व्याख्या करते हुए कहा कि हमें अपने संत महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलकर अपना जीवन सफल बनाना चाहिए और उन्हें कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिरोमणी सतगुरु रविदास जी ने सभी को समानता का संदेश दिया और समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। उन्होंने आह्वान किया कि हमें अपने संतों, गुरुओं और महापुरुषों का मान-सम्मान करना चाहिए और उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए ताकि एक समतावादी और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण हो सके।

मुख्य अतिथि डॉ. जरनैल सिंह रंगा का सभा द्वारा सिरोपा डालकर भव्य स्वागत किया गया, जो उनके प्रति सम्मान और आदर का प्रतीक था।

इस मासिक सत्संग में, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के अधीक्षक रामकुमार कटारिया ने अपनी सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में सत्संग और विशाल भंडारे का आयोजन किया। सभा के सदस्यों ने रामकुमार कटारिया के परिवार को स्मृति चिन्ह व सिरोपा पहनाकर सम्मानित किया, जो उनके सेवाभाव और सामाजिक योगदान के प्रति आभार व्यक्त करता है।

इस पावन अवसर पर, गुरु रविदास सभा के प्रधान सुबे चंद कटारिया, महेंद्र पाल नैयर, कमल कटारिया, रवि कटारिया, अमरीश नैयर, कमल कुमार कुरुक्षेत्र, सुनील दत्त बजीदपुर, वीरेंद्र रॉय बजीदपुर, हरीश भट्टी, राजेश कुमार, गुरमीत सिंह, विजय, दिलीप चंद कटारिया, प्रवीण कुमार बौद्ध, जागीर सिंह, रमेश चंद चालिया, ईमना कुमार कटारिया, बंतो रानी, प्रेमो देवी, रेखा रानी, संगीता रानी, सुनीता रानी, ममता रानी, लाजो, सीमा रानी, सुषमा रानी व गीता रानी सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया और गुरु रविदास जी के संदेशों को आत्मसात किया।

हरियाणा पर्यटन निगम के कर्ण लेक पर तीज महोत्सव का हुआ आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । हरियाली तीज के अवसर पर हरियाणा पर्यटन निगम की कर्ण लेक पर रविवार को तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यटकों व स्कूल के बच्चों ने झूलों का आनंद लिया व मेहंदी प्रतियोगिता व रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पर्यटकों ने बोटिंग व रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट खाने का मजा लिया।

मंडलीय प्रबंधक विजेंद्र शर्मा ने बताया कि हरियाणा पर्यटन निगम विभिन्न अवसरों पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन वर्ष भर करता रहता है और आने वाले पर्यटकों को मनोरंजन का अवसर देता है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि चंद्रमा का चक्र निर्धारित करता है कि प्रत्येक वर्ष तीज कब मनाई जाएगी। यह त्यौहार मानसून के मौसम में सालाना जुलाई या अगस्त में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ये त्योहार प्रकृति की कृपा, मानसून के आगमन, हरियाली और पक्षियों के साथ सामाजिक गतिविधियों, अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों का त्योहार है। हरियाली तीज पर पेड़ों के नीचे झूला झूलना शामिल है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने रीति-रिवाज मानने चाहिए और त्योहारों को भी धूमधाम से मनाना चाहे।

इस अवसर पर मैनेजर समीर शर्मा व इंद्र सिंह, सतपाल, नरेंद्र, नरेश, रोहताश व हरियाणा पर्यटन निगम के स्टाफ ने अपना योगदान दिया। करनाल के गोल्डन पब्लिक स्कूल व कमल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया व बोटिंग का आनंद लिया।

गांव कुंजपुरा में अवैध कॉलोनी में की गई तोडफोड़ की कार्रवाई

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । जिला नगर योजनाकार गुंजन ने बताया कि सोमवार को करनाल में एक अवैध कॉलोनी के विरुद्ध तोडफोड़ की कार्यवाही की गई। यह कॉलोनी लगभग 4.5 एकड़ में गांव कुंजपुरा में करनाल रोड पर स्थित है जिसमें 8 डीपीसी एवं सभी कच्ची सड़कों के विरुद्ध तोडफोड़ की कार्यवाही की गई। इस दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट व थाना कुंजपुरा की पुलिस फोर्स सहित जिला नगर योजनकार की टीम मौके पर उपस्थित रही।

जिला नगर योजनाकार ने अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोडफोड़ की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माणों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोडफोड़ की कार्यवाही जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करवाये जायेंगे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगंरा प्रिटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311